Jatan
Working with young people

वार्षिक रिपोर्ट 2019-2020

जतन

जतन वार्षिक रिपोर्ट

सत्र – 2019 – 2020

संपादन : डॉ. कैलाश बृजवासी

सामग्री सकंलन : राजदीप सिंह, मनीष शर्मा और उत्कर्ष सुथार

मुखपृष्ठ : गोगुन्दा, उदयपुर के दूर–दराज गाँवों में रहने वाली किशोरियों के लिए उदयपुर में आयोजित किशोरी मेले की मौज–मस्ती।

प्रकाशन : जतन संस्थान

मुद्रण : संजरी प्रिंटर्स, उदयपुर

जतन

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में ज़मीनी स्तर पर काम करने वाली एक स्वैच्छिक संस्था है। जतन ने अपने काम की शुरुआत सन् 2001 में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की।

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर–किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर लोगों की सूचनाबद्ध भागीदारी बढ़ाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जी सकें।

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि युवाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

निदेशक की कलम से	5
जतन का सफर	6
प्रकृति के सम्मान का जतन	8
बच्चों की सुरक्षा और विकास	9
किशोर–किशोरियों के बेहतर जीवन के लिए	19
विकास के हर मोड़ पर महिलाओं के साथ	29
इंटर्न और वालंटियर	36
स्वस्थ परम्पराएं	37
सम्मानित हुई जतन	40
साधारण सभा और कार्यकारिणी समिति	42
बैठकें	43
स्टॉफ विवरण	45
अंकेक्षण प्रतिवेदन	46
मीडिया में जतन	51

निदेशक की कलम से . . .

सत्र 2019–2020 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत है। किशोर–किशोरियों और युवाओं के मुद्दों पर काम करने की प्रतिबद्धता के साथ जतन ने अपने काम की शुरुआत की और इस सत्र में हमें अनेक मंच पर अपने इस काम को आगे बढाने का अवसर मिला। एक ओर जहाँ उदयपुर के गोगुन्दा विकास खंड में लगभग पांच हज़ार ग्रामीण किशोरियों के साथ हिलोर परियोजना के दूसरे चरण में उन्हें जीवन कौशल शिक्षा से जोड़ने का काम पूरा हुआ वहीं दूसरी ओर उदयपुर के ही एक अन्य विकास खंड खेरवाडा, भीलवाडा के सहाडा और डूंगरपुर जिले में किशोर–किशोरियों को इन्हीं विषयों से जोड़ने के काम की शुरुआत हो गयी। हमें लगता है कि इन मुद्दों पर एक स्पष्ट समझ का होना आवश्यक भी है। केवल किशोरियां ही नहीं बल्कि किशोरों को भी इस मुद्दे पर संवेदनशील किया जाना जरुरी है ।यही सोच जतन की स्थापना का आधार भी बनी और आज के सन्दर्भ में पहचान भी। आपको ये बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि किशोर–किशोरियों के साथ किये जा रहे जतन के कार्यों को राज्य स्तर पर स्वीकार्यता मिली है और संस्थान को राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित गार्गी मंच गतिविधि के लिए एक मार्गदर्शिका तैयार करने की महती ज़िम्मेदारी दी गयी है । साथ ही हमारे कार्य को पहचान दिलाते हुए हमें राज्य स्तरीय 'गरिमा बालिका संरक्षण' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हमारे लिए ये गौरवपूर्ण उपलब्धि है, जिसने कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को बहुत उत्साहित किया है ।

इसी सत्र में जतन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला। केन्या के नैरोबी में आयोजित ICPD 2019 सम्मेलन में संस्थान की युवा सहजकर्ता गणेशी मेघवाल ने अपने अनुभवों को विश्व पटल पर प्रस्तुत किया ।

कार्यकर्ताओं के क्षमतावर्धन और आपसी अनुभवों को बाँटने के अवसर जतन वार्षिक कैम्प और जश्ने–ए–जतन में मिलते हैं। इस बार पाली जिले के खेतला जी में आयोजित वार्षिक कैम्प और स्थापना दिवस पर इस्लामी थीम, ऐसे अवसर रहे जिनसे कार्यकर्ताओं ने अपनी संस्कृति को जाना–समझा ।

आपका निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन हमारी ऊर्जा को बढाता है। इसे निरंतर बनाए रखिये ।

शुभकामनाओं के साथ

डॉ. कैलाश बृजवासी

अप्रेल 2019

बाल सुरक्षा मुद्दे पर आधारित ''**पीस परियोजना**'' और किशोर–किशोरियों के यौन–प्रजनन स्वास्थ्य पर आधारित ''**फाया परियोजना**'' का शुभारम्भ

मई 2019

उगेर यूनिट के सहयोग से नॉर्थ ईस्ट में माहवारी प्रबंधन केन्द्रों का शुभारम्भ
500 ग्रामीण किशोरियों के साथ उदयपुर में ''**किशोरी मेले**'' का आयोजन

जून 2019

सूफियाना अंदाज़ में संस्था दिवस '**जश्न–ए–जतन 2019**' का आयोजन
चाइल्ड फण्ड द्वारा जतन के बोर्ड मेम्बर्स का बाल संरक्षण विषय पर प्रशिक्षण

जुलाई 2019

जतन संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के लिए फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी का प्रशिक्षण का आयोजन

अगस्त 2019

शिक्षा विभाग और यूनिसेफ जयपुर के साथ गार्गी मंच सशक्तिकरण परियोजना का शुभारम्भ

सितम्बर 2019

स्कूली छात्रों को जेंडर संवेदनशील करने पर आधारित ''**जेम्स फॉर बॉयज़**'' कार्यक्रम का शुभारम्भ

Jatan
Working with young people

जतन का सफर

अक्टूबर 2019

गर्भवती और धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर आधारित ''**राजपुष्ट परियोजना**'' का शुभारम्भ

नवम्बर 2019

केन्या के नैरोबी में ICPD 2019 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जतन की सक्रिय भागीदारी

दिसम्बर 2019

पाली जिले के खेतला जी में जतन वार्षिक कैंप 2019 आयोजन

जनवरी 2020

चाइल्ड लाइन द्वारा जिला बाल सलाहकार समिति, राजसमन्द की पहली बैठक का आयोजन

फरवरी 2020

भीलवाड़ा जिले के गंगापुर ब्लॉक में ग्रामीण किशोरियों के लिए किशोरी मेला–2020 का आयोजन

मार्च 2020

निदेशालय महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य स्तरीय गरिमा बालिका सरंक्षण पुरस्कार से सम्मानित हुई जतन

जतन का सफर

Jatan
Working with young people

प्रकृति के सम्मान का जतन

- जतन संस्थान कार्यकर्ता अपने कार्यालय और घरों में प्लास्टिक की थैलियों और डिस्पोजेबल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग नहीं करते हैं और अन्य लोगों को भी इसका उपयोग करने से रोकते हैं।
- जतन संस्थान परिसर तथा संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी की बोतल, फ्लेक्स, बैनर, प्लास्टिक फ़ोल्डर्स, स्ट्रॉ, प्लास्टिक अथवा थर्मोकोल के कप, थर्मोकोल शीट्स, प्रिटिंग मटेरियल, पैक्ड खाने के प्लास्टिक पैकेट या डिब्बे आदि का उपयोग नहीं करते हैं।
- हम जानते हैं कि संसाधन बहुत सीमित हैं। अतः इनका सही और समुचित उपयोग करने पर हमारा जोर रहता है। यही कारण है कि हम किसी भी सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करने में विश्वास करते हैं चाहे वो माहवारी प्रबंधन के लिए काम में लिया जाने वाला सूती कपड़ा हो या एक तरफ इस्तेमाल किया गया कागज़ ।
- हमारे द्वारा विकसित की जाने वाली सन्दर्भ सामग्री की पहुँच अधिक से अधिक लोगों तक सुनिश्चित हो सके इसके लिए हम कॉपी लेफ्ट नीति का पालन करते हैं। हम उन साथियों के प्रति अपना आभार भी व्यक्त करते हैं जो हमें, उनके द्वारा प्रयोग में ली जा रही जतन सन्दर्भ सामग्री के लिए श्रेय देते हैं।

बच्चों की सुरक्षा और विकास

बच्चों की खुशियों के लिए "खुशी"

खुशी परियोजना, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर राजसमन्द जिले के रेलमगरा, राजसमन्द और खमनोर उपखंडों के सभी 504 आंगनवाड़ी केन्द्रों को सशक्त बनाने के लिए जतन का एक सार्थक प्रयास है। इस परियोजना के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर समेकित बाल विकास योजना द्वारा दी जा रही सभी 06 मुख्य सेवाओं को प्रभावी बनाना है। इनमें पोषक तत्वों से पूर्ण पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाना, शाला पूर्व शिक्षा का सुचारू एवं प्रभावी क्रियान्वयन, रेफरल सुविधाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बेहतर बनाते हुए समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना है। साथ ही, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्रों को नंदघर के रूप में उन्नत करना इस परियोजना के मुख्य कार्यों में शामिल है। यह परियोजना राजस्थान के राजसमन्द, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, अजमेर तथा भीलवाड़ा जिलों में अलग–अलग साथी संस्थाओं के सहयोग से संचालित की जा रही है।

केन्द्रों के नियमित संचालन एवं उपस्थिति में इस वर्ष स्थिति में बदलाव देखा गया। 89% आंगनवाड़ी केंद्र समय पर खुलने लगे हैं। यह वर्ष लगातार उपस्थिति एवं नामांकन में बढ़ोतरी वाला रहा, जिसमें 77% केन्द्रों पर कार्यकर्ता और सहायिका, दोनों उपस्थित मिलने लगे हैं। बच्चों की नामांकन के अनुसार उपस्थिति 62% रहती है और उनका ठहराव भी 3 घंटे से ज्यादा देर तक रहने लगा है। बच्चों के केन्द्रों पर ज्यादा समय तक रुकने से केन्द्रों की गतिविधियों में और अधिक बढ़ोतरी होने लगी है।

बच्चों का स्वास्थ्य–स्वच्छता एवं पोषण : खुशी के तहत राजसमन्द में इस वर्ष बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष फोकस रखा गया। इस दौरान सघनता के साथ स्वास्थ्य पोषण को प्रभावित करने वाले घटकों की पहचान और उस पर लगातार क्षमतावर्धन कर जमीनी स्तर पर कार्य पर ध्यान केन्द्रित किया गया। कुल 13,444 बच्चों की स्वास्थ्य जाँच की गई और 518 अतिकुपोषित और 1851 कुपोषित बच्चों की सघनता से जाँच की गई। पोषण के तहत बच्चों, गर्भवती, धात्री महिलाओं के पोषण में सुधार के लिए इस वर्ष 2 चरण में 337 आंगनवाड़ी केंद्र और 1000 बच्चों व महिलाओं के घरों में किचन गार्डन लगाये गए।

व्यंजन कार्यशालाओं का आयोजन भी एक नवाचार था, जिसमें बच्चों व महिलाओं को तरह–तरह के व्यंजन बना कर उनके खाने में पोषक तत्वों को शामिल करना सिखाया गया और उनके द्वारा उगाई गई स्थानीय सब्जियों का उपयोग कर उनके पोषण पर काम किया गया। इस सत्र में 1321 व्यंजन कार्यशालाएं आयोजित कर 11,975 महिलाओं तक पहुँच बनाई गयी। कार्यशालों के उपरांत व्यंजन प्रतिस्पर्धा भी रखी गई। जिसमें 15,778 महिलाओं ने बढ़–चढ़ कर भाग लेते हुए 6,615 व्यंजन बनाए।

शालापूर्व शिक्षा व मूल्यांकन : इस वर्ष में खुशी में कार्यरत सभी साथियों ने शालापूर्व शिक्षा के खेल गतिविधियों के माध्यम से नये बच्चों को केन्द्रों से जुडाव हेतु प्रयास किये गए। साथ ही आंगनवाड़ी चलो अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा बच्चों को केन्द्रों पर नामांकन के लिए कार्यकर्ताओं का सहयोग किया। सम्बंधित बच्चों का आधार कार्ड बनवाकर नामांकन करवाया, साथ ही स्कूल के लिए तैयार 2003 बच्चों का स्कूल में नामांकन करवाया। नियमित शालापूर्व गतिविधियों के साथ कार्यकर्ताओं का ई लर्निंग पर क्षमतावर्द्धन किया गया। इसमें विशेष रूप से नंदघर की कार्यकर्ताओं को जोड़ा गया।

वर्ष 2019–20 के दौरान 502 आंगनवाडी केन्द्रों के सभी 3–6 वर्ष के बच्चों के आकलन को कार्यकर्ताओं द्वारा करवाने का प्रयास किया गया, जिसमे लगभग 50% बच्चों का आकलन कर प्रगति प्रपत्र अभिभावकों के साथ साझा करना सुनिश्चित कर पाएं और चयनित

125 केन्द्रों पर 2208 बच्चों में से उन 1555 बच्चों का आकलन और प्रगति प्रपत्र सुनिश्चित किया गया, जो लगातार केन्द्रों पर उपस्थित रहते हैं। इन्हीं बच्चों का बाहरी टीम द्वारा भी आंकलन किया गया। 125 आंगनवाड़ी केन्द्रों में से 21 केंद्र नंदघर थे, जिनका आकलन प्रक्रिया में मूल्यांकन को देखा गया। आकलन के दौरान 3–4 वर्ष के बच्चों की संख्या अधिक थी 4–5 वर्ष और 5–6 वर्ष के बच्चों की संख्या के मुकाबले इस वर्ष भी 502 आंगनवाड़ी केन्द्रों के 10,300 बच्चों के लिए शालापूर्व शिक्षा किट दिए गए जिसमें बच्चों के बैग, ड्रेस, स्टेशनरी की सामग्री, और बच्चों की वर्क बुक शामिल थी।

समुदाय आधारित बैठकें : आंगनवाडी केन्द्रों और खुशी के सतत् जुडाव को बनाये रखने तथा समुदाय की विविध क्षमताओं में विकास और जानकारी के उद्देश्य से कई प्रकार की बैठकें केंद्र एवं पंचायत स्तर पर आयोजित की गई। 76% केन्द्रों पर प्रतिमाह अभिभावक बैठकें की गई। अक्टूबर से दिसम्बर माह के बीच 107 ग्राम बैठकें एवं 143 रात्रि चोपालें की गई। साथ ही इस वर्ष कुल 932 VHSNC बैठकें केन्द्रों पर आयोजित की गई। बैठकों पर चर्चा के दौरान एवं खुशी साथी के सतत् प्रयासों से आंगनवाड़ीयों के लिए लगभग 22, 58,740 की सहयोग राशी प्राप्त हुई और पंचायत की और से आंगनवाड़ी के लिए जारी हुई राशि 9,70,084 रही ।

इस वर्ष 90% आंगनवाड़ी केंद्र खुले पाए गए। 77% केन्द्रों पर कार्यकर्ता और सहायिका दोनों ही उपस्थित मिले। इस वर्ष करीब 13,444 बच्चों की स्वास्थ्य जाँच की गई। यदि किचन गार्डन का विकास देखें तो 337 केन्द्रों पर ये नियमित पाए गए। समुदाय सहभागिता के अंतर्गत हमें समुदाय और पंचायतों से 22,58,740 रुपये प्राप्त हुए जो कि एक बड़ी धनराशि है।

पूरक पोषाहार के अंतर्गत इस वर्ष 778 रेसिपी प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई, जिनमें 15,778 महिलाओं ने शिरकत की। साथ ही 661 रेसिपी ट्रायल कार्यशालाएं भी आयोजित हुई, जिनमें 11,975 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

जतन संस्थान की पहल पर शुरू की गयी खुशी की मासिक पत्रिका 'रमत–घमत' ने इस वर्ष अपने 45 अंक पूरे किये। ये पत्रिका हर माह आंगनवाड़ी केन्द्रों तक पहुंचाई जाती है ताकि कार्यकर्ता को नयी–नयी जानकारी मिल सके ।

चाइल्ड लाइन 1098, राजसमन्द

बच्चों की सुरक्षा के लिए दिन रात संचालित

चाइल्ड लाइन मुसीबत में फंसे बच्चों के संरक्षण के लिए प्रारंभ की गयी भारत की प्रथम राष्ट्रीय स्तर की 24 घंटे निःशुल्क आपातकालीन टेलीफोन आउटरीच सेवा है। यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी निकायों और संयुक्त राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से संचालित की जाती है। जतन संस्थान द्वारा राजसमन्द जिले में चाइल्ड लाईन परियोजना को महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग और पुलिस विभाग के साथ मिलकर वर्ष 2016 से विधिवत संचालित किया जा रहा है। इस सेवा के अन्तर्गत 24 घण्टे 1098 नम्बर पर बच्चों को सेवा उपलब्ध करवाई जाती है।

सत्र 2019–20 में आये मामले

क्रम	विभिन्न प्रकार के केस		संख्या
1	चिकित्सकीय सहायता		143
2	शेल्टर		59
3	शोषण से सुरक्षा	बाल विवाह	69
		बाल श्रमिक	59
		शारीरिक शोषण	31
		यौन शोषण	11
		भिक्षावृति	42
		भावनात्मक शोषण	5
4	राजकीय स्कीम का लाभ		36
5	शैक्षणिक सहायता		20
6	परिजनों को सहायता/ परामर्श		14
7	बच्चा मिला		22
8	मानसिक सहयोग		3
9	बच्चा नहीं मिला		2
10	स्थानांतरण		3
11	तस्करी		2
12	मृत्यु से सम्बंधित		2
13	अन्य		4
	कुल केस		527

चाइल्डलाइन की मदद से रुकवाया अपना बाल विवाह

21 फ़रवरी, 2020 को रात्रि 11 बजे चाइल्ड लाइन को सूचना मिली कि अगली सुबह 9 बजे एक बालिका का बाल विवाह होने वाला है।

अगले दिन प्रातः 7 बजे चाइल्ड लाइन टीम ने बाल विवाह को रुकवाने हेतु नाथद्वारा थाना में लेटर दिया व चाइल्ड लाइन टीम प्रशासन के साथ मिलकर खजुरिया खेड़ी स्थित बालिका के घर पहुंचे और उसके घर भीड़ को पाया। टीम ने बालिका से मिलकर विवाह की जानकारी ली। बालिका ने बताया कि उसका विवाह होने वाला है पर वो अभी विवाह नहीं करना चाहती है। टीम ने बालिका का रेस्क्यू किया और उसका मेडिकल चेकअप करवाकर उसे बालिका गृह में आश्रय दिलाया, जिससे उसका बाल विवाह रुक गया। उसके बाद टीम साथी उसके परिवार से मिले और उस बालिका के पिता ने विश्वास दिलाया कि अब वो अपनी बच्ची का बाल–विवाह नही करवाएंगे।

रेलवे चाइल्ड लाइन, उदयपुर

उदयपुर रेलवे सिटी स्टेशन पर संकट में फंसे बच्चों की सुरक्षा और सहायता के लिए जतन संस्थान द्वारा नवम्बर 2018 से रेलवे चाइल्ड लाइन परियोजना का संचालन किया जा रहा है।

इसके कार्यक्षेत्र में उदयपुर सिटी स्टेशन, राणा प्रतापनगर, देबारी, खेमली, भीमल, मावली, फतहनगर, वल्लभनगर, खेरोदा, भींडर, कानोड़, बांसी–बोहेड़ा, बड़ी सादडी, थामला–मोगना, उमरा, खारवा, जावर, पाडला, जयसमंद आते हैं।

चाइल्ड लाईन टीम द्वारा इन सभी क्षेत्रों में परियोजना का प्रचार–प्रसार किया गया और स्थानीय नागरिकों को बाल सुरक्षा और बाल अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

बालश्रम

इस सत्र में बालश्रम के 11 मामले आए, जो सिटी रेलवे स्टेशन, मावली और जयसमन्द क्षेत्र के हैं। इन बच्चों को थाने से पाबन्द करवाया गया।

भिक्षावृत्ति

इस सत्र में सिटी रेलवे स्टेशन के सामने वाली बस्ती में भिक्षावृत्ति के 13 मामले पाए गए। ये बच्चे ट्रेन में जाकर यात्रियों से भीख मांगते थे। इन्हें मावली और राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर आउटरिच के दौरान देखा गया। इन बच्चों को थाने से पाबन्द करवाया गया।

गुमशुदा बच्चे

5 गुमशुदा बच्चों को बाल कल्याण समिति के आदेश से अस्थायी आश्रय दिया गया और बच्चों के घर का पता करके उन के घर भेजा गया।

चिकित्सकीय सहायता

32 बच्चों को मास्क वितरित किये गए। 4 कुपोषित बच्चों को अस्पताल से और 6 बच्चों को नारायण सेवा संस्थान से उपचार के लिए जोड़ा गया।

भावनात्मक सहयोग

झाडोल क्षेत्र के 6 बच्चे आगरा शहर में काम करने के लिए जा रहे थे। इन बच्चों के परिजन को बुलवाया गया और उनकी समझाईश की गयी। इसके बाद थाने से इन्हें पाबन्द कर परिजनों को सुपुर्द किया गया।

प्रचार–प्रसार

इस सत्र में 43 बार प्रचार–प्रसार कार्यक्रम आयोजित किये गए। ये कार्यक्रम सिटी रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर 1 से प्लेटफॉर्म नम्बर 5 तक तथा डिपार्टमेंट, प्रवेश द्वार, राणा प्रताप नगर रेलवे स्टेशन, देबारी, खेमली, भीमल, मावली, फतहनगर और सिटी रेलवे स्टेशन से उमरा, बड़ी सादडी, जयसमंद और मारवाड़ स्टेशन तक आयोजित किये गए। ट्रेन के अंदर भी प्रचार–प्रसार कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसके अलावा 10 रात्रि प्रचार–प्रसार कार्यक्रम भी आयोजित किये गए।

इस सत्र में कुल 236 कॉल प्राप्त हुए जिसमें फोलोअप और एडमिनिस्ट्रेटर कॉल प्रमुख रहे।

ओपन हाउस

इस सत्र में कुल 04 ओपन हाउस आयोजित किये गए। ये ओपन हाउस सिटी रेलवे स्टेशन, स्टेशन के पास रेलवे स्कूल और मावली में आयोजित किये गये। इसमें बच्चों के साथ पर्यटक और स्कूल से भ्रमण हेतु आए बच्चों ने भी भाग लिया। इन बच्चों और अन्य लोगों को चाइल्ड लाइन 1098 की सेवाओं के बार में बताया गया।

फ़ोन परीक्षण

इस सत्र में कुल 210 फ़ोन टेस्टिंग की गयी। फोन टेस्टिंग के दौरान यात्रियों, पुलिस थाना और विभिन्न विभाग वालों को चाइल्ड लाइन फ़ोन सेवाओं का महत्त्व बताया गया। यह भी जानकारी दी गयी कि इसका उद्देश्य 1098 पर फ़ोन कनेक्ट करवाना होता है।

बाल विकास परियोजना गोगुन्दा

कार्य क्षेत्र : गोगुन्दा, कोटड़ा और झाड़ोल

चाइल्ड फण्ड इंडिया के सहयोग से संचालित बाल विकास परियोजना के अंतर्गत बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए उनके प्रारंभिक जीवन को 3 स्तर में बांटा गया है और इसे आधार मानते हुए बच्चे के समग्र विकास का कार्य किया जा रहा है ।

परियोजना उदयपुर के 3 प्रखंड, गोगुन्दा, कोटड़ा और झाड़ोल में संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत एक बच्चे के जन्म से लेकर 24 वर्ष का होने तक उसके विकास के निम्न चरण निर्धारित किये गए हैं–

जीवन स्तर –1

शिशु के जन्म से उसके 5 वर्ष का होने तक जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य, पोषण आदि पर कार्य किया जा रहा है। लीड मदर संकल्पना, साझा चुल्हा (पी.डी. प्लस) सत्र का आयोजन इसकी मुख्य गतिविधियाँ हैं।

जीवन स्तर –2

इसमें बच्चों की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। साथ ही किशोर–किशोरियों के लिए माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन, जीवन कौशल शिक्षा और यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य पर सत्र आयोजित किये जा रहे हैं।

जीवन स्तर –3

इस जीवन स्तर में युवाओं के लिए आजीविका के अवसर तलाशने और जीवन कौशल शिक्षा द्वारा उन्हें आत्म–निर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

स्पोंसर रिलेशनशिप

परियोजना का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष ये भी है कि स्वीडन से कई प्रायोजक (स्पोंसर्स) इन बच्चों के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से उन्हें स्पोंसर्स कर रहे हैं। ये स्पोंसर्स बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवनयापन सम्बन्धी चुनौतियों में आर्थिक सहायता देकर और उनसे पत्र व्यवहार करके उनकी सहायता कर रहे हैं।

इस सत्र में किये गए मुख्य कार्य

लीड मदर

बाल विकास परियोजना में जीवन स्तर–1 में 883 बच्चे हैं और योजनानुसार इसमें 0–5 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके प्राथमिक देखभालकर्ता यानी उनकी माता के साथ विशेष तौर पर कार्य की आवश्यकता रहती है, जिसमें बच्चे की देखभाल और पर्याप्त स्वास्थ्य और पोषण को लेकर उनके साथ समूह में चर्चा होती है और स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर गाँव में महिलाओं के साथ विशेष प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं।

जो महिला जागरूक है और थोड़ी पढ़ी लिखी है उन्हें अन्य माताओं को जागरूक करने को लेकर विशेष प्रशिक्षण देकर लीड मदर बनाया जाता है, जो अपने समुदाय में पहल लेकर आगे अन्य महिलाओं को बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य पोषण, टीकाकरण के लिए जागरूक बनाए रखने का काम करती है।

वर्तमान में 10 गाँवों में लगभग 100 से अधिक लीड मदर तैयार होकर अन्य माताओं को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण देते हुए समुदाय को जागरूक कर रही हैं।

BBS (Basic building skill)

6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की भाषा और अंक ज्ञान की समझ को मजबूत बनाने और बच्चों की आयु के अनुसार शैक्षिक स्तर को ध्यान में रखकर उनके साथ भय मुक्त वातावरण में केंद्र संचालित कर शिक्षण सहयोग का कार्य किया जाता हैं। वर्तमान में यह केंद्र गोगुन्दा के भारोड़ी, घाटा, मोडवा, राणा, खेरावास, मोतावीडा, मादा, मलेरिया कला और बगडुंदा गाँव में संचालित किये जा रहे हैं। लगभग 350 बच्चें इन केन्द्रों से लाभान्वित हो रहे हैं।

स्मार्ट क्लास

गोगुन्दा प्रखंड के 5 राजकीय विद्यालयों मादा, राणा, भारोड़ी, मजाम और मज़वाद में संस्थान की ओर से स्मार्ट प्रोजेक्टर उपलब्ध कराये गए हैं, ताकि कक्षा नर्सरी से 12 वीं तक के प्रत्येक विषय के प्रत्येक अध्याय

THANKS FOR THE VISIT
INDIA'S BIGGEST PUBLIC AQUARIUM
UNDER THE SUN AQUARIUM

को हिंदी और अंग्रेजी भाषा में समझ कर अध्ययन किया जा सके। स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षा रोचकता के साथ दी जाने लगी है। अब बच्चों को कठिन से कठिन विषय को भी पढ़ाना सरल हो गया है। अध्यापक और विद्यार्थियों के लिए ये नवाचार बहुत उपयोगी रहा है।

लर्निंग फेस्टिवल

गोगुन्दा के 3 गाँवों में लर्निंग फेस्टिवल (सीख–उत्सव) का आयोजन किया गया। यह फेस्टिवल दो तरह से आयोजित किया गया। घाटा में समुदाय के साथ एवं मोडवा, खेरावास में राजकीय विद्यालय के साथ इस फेस्टिवल को आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत घाटा में 110, खेरावास में 85 और मोडवा में 117 बच्चों ने भाग लिया। यह फेस्टिवल बच्चों की कार्य कुशलता को बढ़ाने के लिए कारगर साबित हुआ एवं इसके माध्यम से बच्चों का शिक्षा के प्रति नजरिया भी बदला।

आंगनवाडियों के साथ जुड़ाव

जीवन स्तर 1 से सम्बंधित कार्य क्षेत्र में 10 आंगनवाडियों में रंग रोगन का कार्य करवाया गया। आंगनवाडियों में कार्यरत आशा सहयोगिनी, कार्यकर्ता और सहायिका व साथिन को प्रशिक्षण भी दिया गया और उनके केन्द्रों को शिक्षण और खेल कूद सामग्री भी प्रदान करवाई गई, जिसका उद्देश्य बच्चों का केन्द्रों के प्रति उत्साह और ठहराव, समुदाय का जुड़ाव और उसके महत्व के प्रति जागरूकता बनाए रखना था। वर्तमान में फुटिया, काछबा, जोगियों का गुडा, मजाम, बगडून्दा, मलारिया, कुंडाउ, मजवाद, बदुन्दीया और जीराई गांवों की आंगनवाड़ी के साथ विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है, ताकि हमारे द्वारा चिन्हित बच्चों का इनके साथ जुड़ाव बना रहे।

स्किल डवलपमेन्ट ट्रेनिंग से जुड़ाव

बाल विकास परियोजना के तहत 15 से 24 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ उनके लिए आजीविका के बेहतर अवसर का लाभ लेने के लिए उनकी क्षमताओं का विकास किया जाता है। वर्तमान में जीवन स्तर 3 में 225 बच्चों के साथ 15 गाँव में कार्य किया जा रहा है। संस्थान द्वारा परियोजना के तहत निम्न प्रशिक्षणों से जोड़ कर बच्चों को लाभान्वित किया गया–माहवारी प्रबंधन से 75 लड़कियों ने, ड्राइविंग में 12 युवाओं ने, अशोका लीलेंड से प्रशिक्षण लिया। कृषि आधारित प्रशिक्षण में 25 युवतियों एवं 5 युवकों ने, बकरी पालन में 10 युवतियों ने और जीवन कौशल प्रशिक्षण में 50 बालक–बालिकाओं ने भाग लिया। साथ ही 450 बच्चों ने युवा खेल कूद में भाग लिया और 350 बच्चों ने शेक्षणिक भ्रमण भी किया। 15 युवाओं को ऑटो मोबाइल प्रशिक्षण से जोड़ कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया।

युवा खेल–कूद प्रतिस्पर्धा

15 से 24 वर्ष की आयु वर्ग मे गोगुन्दा के चिन्हित 15 गाँव मे बाल विकास परियोजना के तहत बालक बालिकाओं के लिए खेल–कूद प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें उपखंड स्तर पर 425 बालक–बालिकाओं ने भाग लिया।

क्षेत्र की दूषित जल की समस्या को ध्यान में रखते हुए 10 चिन्हित स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए और स्थानीय ग्रामीणों के लिए शुद्ध पेय जल की व्यवस्था की गई।

बाढ़ग्रस्त परिवार को आपदा राहत

क्षेत्र में आये चक्रवाती तूफ़ान ने हमारी स्पोंसर्ड बालिका कैलाशी, जो कक्षा 3 में पढ़ती है, के घर को तहस–नहस कर दिया और उसका परिवार बेघर हो गया। बाल विकास परियोजना ने उनसे तत्काल सम्पर्क किया और पाया कि परिवार की माली हालत ऐसी नहीं है कि वे दोबारा अपना घर बना सके। टीम ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आपदा प्रबन्धन बजट से उन्हें सहायता देने का निश्चय किया और उनके घर के निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री उपलब्ध करवाई।

पीस परियोजना

PEACE & Protective, Enabling, Accountable & Child & Friendly Environment

बोर्नफोंडन संस्था द्वारा प्रायोजित पीस (सुरक्षात्मक, सक्षम, जवाबदेह और बच्चों के अनुकूल वातावरण) परियोजना, चाइल्ड फंड इंडिया और जतन संस्थान की बाल संरक्षण क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। यह परियोजना इसी सत्र में 5 अप्रैल 2019 को गोगुन्दा में विधिवत प्रारंभ की गयी। इसका उद्देश्य स्कूल और समुदाय में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना, बाल शोषण के मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना और इसकी रोकथाम के लिए स्थानीय सरकार के साथ मिलकर काम करना है।

गोगुंदा तहसील की 12 पंचायतों के 50 गाँवों में इसका क्रियान्वयन करते हुए यह प्रयास किया गया कि बच्चों के लिए ऐसे वातावरण का निर्माण हो, जो उनके अनुकूल हो और जिसमें बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। बच्चों के साथ हिंसा, दुर्व्यवहार, ड्रॉप आउट, बाल मजदूरी, बाल विवाह जैसे बाल सुरक्षा से जुड़े मुद्दों में कमी लाना इसका प्रमुख उद्देश्य रहा।

परियोजना में इस ओर भी प्रयास किये हैं कि स्थानीय शासन और परियोजना क्षेत्र की बाल संरक्षण समितियाँ और ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति बाल संरक्षण के दायरे में पूरी जवाबदेही के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें ताकि स्कूलों में बच्चों के अनुकूल एक सुरक्षात्मक और सीखने के माहौल तैयार किया जा सके और बाल संरक्षण समिति के सदस्य अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा सकें।

पीस परियोजना के अंतर्गत अब तक 50 बाल क्लब तैयार हुए हैं, जिनमें 500 सदस्य हैं। 50–50 किशोरी और किशोर क्लब भी तैयार किये गए और दोनों में ही 1250–1250 सदस्य हैं। इसके अलावा 50 कृषि आधारित और 50 गैर–कृषि आधारित किसान क्लबों का गठन हुआ और इनमें 750–750 सदस्य हैं।

अपना जतन केंद्र

उदयपुर के नीमच माता कच्ची बस्ती (देवाली) क्षेत्र में अक्टूबर 2010 से गिबिको, जर्मनी के सहयोग से संचालित अपना जतन केंद्र बच्चों के सीखने–सिखाने का विशेष केंद्र है। यह केंद्र न केवल शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आया है, बल्कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए "शिक्षा में सहयोगी" के रूप में भी इसकी व्यापक पहचान बनी है। स्कूल जाने वाले बच्चे यहाँ अपरान्ह समय में आकर विभिन्न विषयों पर कोचिंग सुविधा का लाभ उठाते हैं।

इस वर्ष केंद्र में 65 बच्चों का नामांकन रहा, जिनमें 44 स्कूल जाने वाले और 21 पालनाघर आने वाले बच्चे हैं। साथ ही केंद्र में स्कूल नहीं जाने वाले और ड्रॉप आउट बच्चों हेतु दोपहर के भोजन तथा वैकल्पिक पोषण युक्त खाद्य पदार्थों का वितरण निरंतर किया जाता है। इनमें दूध, केला, खिचड़ी, दलिया, फलों का रस आदि शामिल किये गए हैं। केंद्र के साप्ताहिक कैलेंडर के अनुसार इनका प्रतिदिन वितरण होता है।

नवम्बर 2019 में केंद्र के 50 बच्चों ने तम्बाकू निषेध हेतु रैली निकाली और इसके दुष्प्रभाव पर समुदाय को सन्देश दिया। इसके अतिरिक्त बच्चों को 25 अक्टूबर को पिकनिक के माध्यम से पुरोहितों का तालाब और गणेश टेकरी ले जाकर विभिन्न रोचक खेल और गतिविधियाँ करवाई गई। जनवरी 2020 में चिकित्सक की सहायता से स्थानीय केंद्र के 31 बच्चों की स्वास्थ्य जाँच करवाई गयी और सभी स्वस्थ पाए गए।

प्रोजेक्ट लव – LOVE

(Learning Orbit for Village Excellence)

जतन संस्थान अपनी सहयोगी संस्था क्षमतालय फाउण्डेशन के साथ मिलकर उदयपुर शहर के कोटडा ब्लॉक के दो सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों मंडवा और झेड में और गोगुंदा के ग्रामीण हिस्सों में संचालित की जा रही है। यह परियोजना फेलोशिप कार्यक्रम का समर्थन करते हुए सीखने के स्थान पर योगदान करके शैक्षिक और सामाजिक समानता लाने की कल्पना करती है।

इस परियोजना ने सभी छात्रों को उनकी, योग्यता, कौशल और मानसिकता को दृष्टिगत रखते हुए उनकी माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में सहायता की है।

शैक्षणिक वर्ष 2019–20 के दौरान, मांडवा और झेड पंचायतों के दो वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 8, 9, 10 के 191 छात्रों को गणित, भाषा, सामाजिक अध्ययन और विज्ञान विषयों के अध्ययन में सहयोग देने के लिए प्रत्येक स्कूल में 2 फेलो नियुक्त किये गए। इसी तरह बच्चों की शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक साक्षरता पर ध्यान देने के लिए कुल 4 फैसिलिटेटर रखे गए।

4 दिवसीय शिविर का आयोजन – 4 दिवसीय शिविर छात्रों के लिए खेल और नागरिक भावना को केंद्रित कर आयोजित किये गए। झेड और मांडवा में छात्रों ने स्कूल की कक्षाओं और बड़े सुंदर खेल के मैदान की सफाई की। शिविर के बाद उपस्थिति में काफी सुधार हुआ है और छात्रों ने इसके लिए शिक्षकों के लिए आभार व्यक्त किया है।

मांडवा स्कूल में सीखने की सुविधा के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा–स्कूल में अब बैठने के लिए बहुत अधिक जगह है क्योंकि प्राथमिक छात्रों के पास नए डेस्क हैं, स्कूल के बरामदे को कंक्रीट की टाइलों से बदल दिया गया है जो टीम को सभाओं और खेलने के समय के दौरान उपयोग करने में मदद करेगा।

व्यवहार में पीयर लर्निंग – इसका उपयोग मांडवा और झेड दोनों स्कूलों में प्रभावी ढंग से किया गया ताकि बड़ी कक्षाओं को पीयर नेटवर्क में सीखने में मदद मिल सके।

ASER– मार्च में कोविड राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से पहले, 87 छात्रों का अंतिम डेटा एकत्र किया गया था और जुलाई 2019 से फरवरी 2020 तक मापा गया उनके सीखने के स्तर की तुलना की गई थी। 60% से अधिक छात्रों ने हिंदी साक्षरता पढ़ने और लिखने में सुधार दिखाया है।

छात्रों ने साझा किया कि वे अपने "भैया" से मिलकर खुश हैं और इस समर्थन को प्राप्त करते हुए उन्होंने हमारे फेलो के प्रति अपना आभार भी साझा किया। पंचायत स्तर पर प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए बखेल के सरपंच और वार्ड पंच के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

बाखेल पंचायत के सभी शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। आस्था एवं चाइल्ड फंड इंडिया के सहयोग से प्रखंड में शिक्षा संवाद का आयोजन किया गया। इस ब्लॉक स्तरीय बैठक का मुख्य परिणाम शिक्षा संवाद की प्रक्रिया को सक्रिय करना था।

किशोर–किशोरियों के बेहतर जीवन के लिए

फाया

(फेमिनिस्ट एंड यूथ लेड एक्शन)

12 अप्रैल 2019: फाया परियोजना की शुरुआत ।

राजस्थान में 10 से 19 साल उम्र के किशोरों की आबादी 1.5 करोड़ है। राज्य की जनसंख्या में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले ये किशोर, प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदलने का माद्दा रखते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह तभी संभव है जब इस किशोर जनसंख्या के स्वास्थ्य में सुधार के लिए पर्याप्त निवेश किया जाए।

इस वर्ष पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया और द वाई. पी.फ़ाउंडेशन के सहयोग से जतन संस्थान ने फेमिनिस्ट एंड यूथ लेड एक्शन (फाया) के नाम से किशोर–किशोरियों हेतु परियोजना का शुभारम्भ किया। फाया परियोजना किशोर–किशोरियों को उनके यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य पर जागरूक करते हुए, उनके अधिकारों की पैरवी करने का काम कर रही है और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उजाला क्लिनिक तक उनकी पहुँच बनाने को लेकर संकल्पित है। डूंगरपुर में जतन की इस टीम ने 50 गांवों में 3000 किशोर–किशोरियों तक अपनी पहुँच बनाई है और आने वाले दो वर्षों में परोक्ष रूप से लगभग 10,000 युवा साथियों तक पहुँचने का लक्ष्य रखती है।

परियोजना के आरंभ में डूँगरपुर जिले में सर्वे द्वारा 50 गांवों को 5 क्लस्टर्स में बांटा गया, जिसमें डूंगरपुर ब्लॉक में देवल, सुरपुर, कुशालमगरी और वस्सी और दोवड़ा ब्लॉक में दामडी क्लस्टर बनाया गया। 50 गांवों में 100 समूहों का गठन किया गया अर्थात प्रत्येक गाँव में 25 से 30 किशोर–किशोरियों के दो–दो ग्रुप बनाये गए, जिसमें 37% किशोर और 63% किशोरियों को शामिल किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में गाँव, ब्लॉक और जिला प्रोफाइल्स तैयार की गई और 20 फैसिलिटेटर्स का चयन करके गाँव में सत्र संचालन में उनकी भूमिका तय की गई। आंगनवाडियों और उजाला क्लिनिक की विजिट की गई। जिला अधिकारियों (जिला मजिस्ट्रेट, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, पुलिस विभाग, नगर परिषद्, महिला अधिकारिता आदि) के साथ मासिक बैठक और नियमित संपर्क किया गया। इसके अतिरिक्त पोषण थीम पर दो सोशल एक्शन प्रोजेक्ट्स (किशोर स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधि) का आयोजन किया गया।

पहले वर्ष के अंत तक फाया टीम ने यौन और प्रजनन स्वास्थ्य पर अपनी समझ बनाई। ये टीम आदिवासी बहुल समुदाय में यौन–प्रजनन स्वास्थ्य पर उनकी समझ पर और किशोर–किशोरियों के स्वास्थ्य पर जागरूक हुई। 'व्यापक यौनिकता शिक्षा' पर समझ बनाते हुए समुदाय के विभिन्न स्टेकहोल्डर्स से मेलजोल बढ़ाने पर समझ बनी और साथ ही किशोर–किशोरियों की प्राथमिकताओं को जाना।

जीरो प्रेगनेंसी अभियान के तहत किशोरावस्था में गर्भधारण के विरुद्ध जिला अधिकारियों से इस विषय पर युवाओं हेतु सन्देश लिया गया।

मीडिया संवाद: इस प्रोजेक्ट के तहत एक मीडिया संवाद का भी आयोजन किया गया। मीडिया प्रतिनिधियों को किशोर स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी देना और उन्हें किशोर स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से इस संवाद का आयोजन किया गया। इस संवाद में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया के मीडियाकर्मी शामिल हुए। इस संवाद में मीडियाकर्मियों को वर्तमान में किशोर स्वास्थ्य के संबंध में चलाई जा रही योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जानकारी दी गई।

जन–प्रतिनिधि संवाद: डूंगरपुर के विधायक गणेश घोघरा, विभिन्न पंचायतों के सरपंच और वार्ड पंचों के साथ जन–प्रतिनिधि संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें किशोर–किशोरियों के स्वास्थ्य पर जन–प्रतिनिधियों को जागरूक करने और संवेदनशील करने का प्रयास किया गया।

फाया क्षेत्रिय कार्यकर्ताओं का क्षमतावर्द्धन : डूंगरपुर के जनजातीय क्षेत्र में युवाओं और किशोर–किशोरियों के जीवन कौशल विकास और बेहतर स्वास्थ्य के लिए संचालित "प्रोजेक्ट फाया" के अंतर्गत फिल्ड साथियों के लिए 'द वाई.पी., दिल्ली के सहयोग से 11 से 15 नवम्बर 2019 तक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजना की स्पष्ट समझ बन सकी।

मैं कुछ भी कर सकती हूँ

पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया ने दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर डॉ. स्नेहा के किरदार को केंद्र में रखते हुए "मैं कुछ भी कर सकती हूँ" टीवी सीरीज़ का तीसरा और अंतिम सीजन आरम्भ किया। इस सीरीज़ में डॉ. स्नेहा का किरदार महिला अधिकारों, सफाई–स्वच्छता और युवाओं के यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जैसी सामाजिक–सांस्कृतिक बाधाओं पर बात करता है।

टीवी सीरिअल के नाम पर ही डूँगरपुर में जतन संस्थान डूंगरपुर ने पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया और द वाई. पी. फाउंडेशन के सहयोग से किशोर–किशोरियों हेतु इस प्रायोगिक परियोजना का शुभारम्भ किया। सीरीज़ के किरदारों के नाम पर ही महिला समूहों को स्नेहा ग्रुप और पुरुष ग्रुप को मुन्ना ग्रुप कहा गया।

प्रोजेक्ट में डूंगरपुर के 40 गांवों के 4 क्लस्टर बनाये गए, जिनमें 4 कोऑर्डिनेटर्स थे। दो महिला कोऑर्डिनेटर्स ने कुल 100 किशोरियों, युवतियों और 50 वर्ष तक की विवाहित महिलाओं के साथ काम किया, वहीं अन्य दो पुरुष कोऑडिनेटर्स ने बराबर अनुपात में पुरुषों को जागरूक किया। "मैं कुछ भी कर सकती हूँ" के अलग–अलग विषयों पर बने जागरूकता सम्बन्धी एपिसोड्स का प्रदर्शन करके, उन पर संवाद स्थापित करके विषय से जुडी समुदाय की ही कहानियों को निकाला गया।

"मैं कुछ भी कर सकती हूँ" टीवी सीरीज़ के ज्ञानवर्धक विडियो के माध्यम से यौन–प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं की प्राप्ति हेतु अधिक से अधिक युवाओं की स्वास्थ्य केन्द्रों तक पहुँच बनाई गयी और स्वास्थ्य कर्मियों और किशोरों, अविवाहित युवाओं के मध्य मानसिक, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य पर संवाद भी बढ़ा।

जतन की टीम ने स्नेहा और मुन्ना ग्रुप के माध्यम से समूह की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किशोर–किशोरियों, नवदंपतियों, महिला–पुरुषों को छोटे छोटे ग्रुप्स में चर्चा करवाई गई। समन्वयकों ने अपने अपने समूहों को टीवी सीरियल देखने को प्रेरित किया। महीने में एक बार प्रोजेक्टर और लैपटॉप के माध्यम से चुनिन्दा एपिसोड्स का प्रदर्शन भी किया। मुन्ना और स्नेहा ग्रुप के व्हाट्सएप ग्रुप बनाये गए, जिनके माध्यम से समूह के सदस्य अपनी सफलता की कहानी, केस स्टडी और बदलाव को भी एक दूसरे के साथ साझा कर सके।

इस प्रायोगिक प्रोजेक्ट के पूर्ण होने पर "हम कुछ भी कर सकते हैं अवार्ड्स" के माध्यम से चयनित सर्वश्रेष्ठ युवाओं को जिला स्तरीय पुरस्कार समारोह में के.के. गुप्ता (चेयरपर्सन, नगरपालिका, डूंगरपुर) और लोकेश पंड्या (DPM, RKSK डूंगरपुर) द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हिलोर

हिलोर–एक्शन फॉर एडोलसेंट गर्ल्स प्रोग्राम

यह परियोजना यू.एन.एफ.पी.ए., महिला अधिकारिता निदेशालय के साथ मिलकर उदयपुर जिले के गोगुंदा विकास खंड में 4,637 और सायरा विकास खंड में 3,795 किशोरियों के लिए संचालित की जा रही है।

हिलोर परियोजना 10–19 वर्ष की आयु वर्ग की ग्रामीण किशोरियों को सामाजिक, स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए संचालित की जा रही है। इस का उद्देश्य किशोरियों के उन मानवाधिकारों की सुरक्षा करना है, जो विवाह और बच्चे के जन्म में देरी करते हैं, अनपेक्षित गर्भावस्था को रोकते हैं और जीवन कौशल शिक्षा रणनीतियों को व्यापक रूप से सबसे कमजोर लड़कियों के बीच स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक संपत्ति का निर्माण करते हैं।

इस परियोजना के तहत किशोरियों के स्वास्थ्य, शिक्षा, नेतृत्व और रोजगार सम्बन्धी कौशल को विकसित करते हुए किशोर सहकर्मी शिक्षकों/जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क तैयार किया गया और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए एक सक्षम वातावरण विकसित करने के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच नेटवर्क और भागीदारी को बढ़ाया गया।

परियोजना के पहले चरण में 175 और दूसरे चरण में 150 आंगनवाडियों से जुडी 650 सखी–सहेलियों को तैयार किया गया और उनके माध्यम से 10 से 14 वर्ष की आयु की कुल 3,223 और 15 से 19 वर्ष की आयु की कुल 5,149 ग्रामीण किशोरियों तक पहुँच स्थापित की गयी। इन किशोरियों में 71 प्रतिशत विद्यालय नहीं जाने वाली किशोरियां थीं और 92 प्रतिशत किशोरियां विवाहित थीं।

इस परियोजना के अंतर्गत किशोरियों के साथ आयोजित की जाने बैठकों के लिए बालिका केंद्रित पाठ्यक्रम तैयार किया गया। ये पाठयक्रम जो किशोरियों की क्षमताओं का निर्माण करने के उद्देश्य से उनके अनुसार तैयार किया गया, ताकि वे जीवन में अपनी आकांक्षाओं को महसूस कर सकें।

- **रणनीति और उपलब्धियां**

परियोजना में कार्यरत सभी कार्यकर्ताओं की गहन क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

किशोर क्लबों के माध्यम से किशोरियों को संगठित

किया गया।

दो सक्रिय किशोरियों, एक सखी, एक सहेली को सहकर्मी शिक्षक के रूप में चुना गया। उन्हें "मेरे पंख मेरी उड़ान" पाठ्यक्रम को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया था।

गोगुन्दा व सायरा में, 350 और 300 सहकर्मी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था, जिन्होंने दो समूहों में क्रमशः 175 और 150 आंगनवाड़ी केंद्रों में पाठ्यक्रम का संचालन किया।

सरकारी विभागों के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण किया गया। 175 आंगनवाड़ियों की कार्यकर्ताओं और आशा सहयोगिनियों और गोगुन्दा व सायरा की सभी साथिनों के 2 दिवसीय प्रशिक्षण में उन्हें हिलोर पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही इन फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

बालिका केन्द्रित पाठ्यक्रम का संचालन किशोर क्लबों में सहकर्मी शिक्षकों और क्लस्टर समन्वयकों तथा आंगनवाड़ी आशा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है। एक समूह में पाठ्यक्रम की 17 बैठकें शामिल हैं।

पहले समूह में सभी 17 समूहों ने 8 महीनों में कुल 136 क्लस्टर बैठकें आयोजित की। दूसरे समूह द्वारा 15 समूहों ने 6 महीनों में 90 बैठकें की गयी।

'किशोरी स्वास्थ्य दिवस' का आयोजन इसकी गतिविधियों के बारे में गांवों में माता–पिता और किशोरों को जागरूक करने के लिए पैरवी का एक माध्यम है। इनका आयोजन आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया गया। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत सहायक नर्स

मिडवाइफ (ए.एन.एम.) या चिकित्सा अधिकारियों द्वारा किशोरों के लिए खेल और खेल जैसी विभिन्न रोचक गतिविधियों के साथ–साथ स्वास्थ्य जांच भी आयोजित की गई।

मजबूत निगरानी और समीक्षा प्रणाली: 'कोबो कलेक्ट' नामक एंड्रॉइड ऐप का उपयोग प्राथमिक डेटा को सीधे निगरानी प्रारूपों में फ़ील्ड से एकत्र करने के लिए किया गया था। हर महिने राज्य स्तर पर जिला टीम की बैठक होती है, जिला स्तर पर परियोजना नेतृत्व के साथ साप्ताहिक बैठक एवं कोर प्लानिंग टीम के साथ मासिक बैठक नियमित रूप से की जा रही है।

किशोरी मेला, उदयपुर : 24–25 मई 2019 को उदयपुर के भुवाना स्थित महाप्रज्ञ विहार में हिलोर किशोरी मेला आयोजित किया गया, जिसमें उदयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों से आई 1200 से अधिक किशोरियों ने 2 दिन मेले में कौशल विकास एवं रोज़गार प्रशिक्षण, आत्म रक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता सहित कई विषयों पर अपनी समझ स्पष्ट की। जिला स्तरीय इस मेले में किशोरियों के प्रोफेशनल कार ड्राइविंग, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, मोबाइल रिपेयरिंग, लाईट फिटिंग आदि प्रशिक्षणों पर हाथों हाथ रजिस्ट्रेशन किये गए। 75 किशोरियों ने कार चलाने के प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया, जबकि 350 से अधिक किशोरियों ने कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया। कई किशोरियों ने उदयपुर, गोगुन्दा और जयपुर में चल रहे प्रशिक्षणों में रूचि दिखाई। मेले में अलग–अलग व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की 12 से अधिक स्टॉल सजाई गई। ग्रामीण और शहरी किशोरियों के बीच रस्सा–कस्सी प्रतियोगिता में बरवाडा से आई गरासिया जनजाति किशोरियों ने बाजी मारी, जबकि निशानेबाजी में सायरा की किशोरियां निशाना भेदने में आगे रही। मटकी दौड़ में गोगुन्दा की लड़कियों ने पहला स्थान पाया। मेले में दो दिन अलग अलग खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी, जिनमे मटकी फोड़, मटकी दौड़, चम्मच रेस, पानी दौड़, अंधी दौड़, तीन टांग दौड़, कुर्सी रेस, निशानेबाजी आदि प्रतियोगिताएं प्रमुख रही। मेले में सबसे अधिक संख्या में गरासिया और भील जनजाती किशोरियों की सहभगिता रही। गरासिया जनजाति द्वारा फसल पकने और होली त्यौहार पर होने वाले प्रमुख समूह नृत्य "वालर" ने उपस्थित जन समुदाय का मन मोह लिया। बड़े घेरे में अपनी पारंपरिक रंगीन पोशाकों में किशोरियों ने देर रात तक नृत्य किया। इस दौरान राजस्थानी और वनवासी नृत्यों की धूम रही।

किशोरियों ने समाज के अलग अलग क्षेत्रों में कुछ हटकर काम करने वाली महिलाओं से मुलाकात की और उनके बारे में जाना। इस दौरान लेडी पेट्रोल टीम की कोंस्टेबल ने किशोरियों को आत्म रक्षा के कई गुर और टिप्स सिखाये। पहले दिन किशोरियों ने अपने सपने और महत्वकांक्षाओं को कागज़ पर लिख कर उन्हें व्यक्त किया। "मेरे सपनो का बादल" सत्र के दौरान किशोरियों ने पायलट, अध्यापिका, डॉक्टर, पुलिस बनने के सपने लिखे तो कईयों ने मोटर साइकिल चलाने, स्कूटी खरीदने आदि के सपने बताएं।

11 अक्टूबर 2019 को विश्व बालिका दिवस पर गोगुन्दा की किशोरियों ने उदयपुर जिला कलेक्टर आनंदी जी से मुलाकात की और उनकी सफलता के बारे में खूब चर्चा की। आनंदी जी ने किशोरियों को एक जरुरी मन्त्र देते हुए कहा – 'बड़े सपने देखें और उसे हासिल करने की दिशा में काम करें।'

और नैरोबी पहुंची गणेशी

12 नवम्बर 2019 को गोगुन्दा के छोटे से गाँव ओडो का गुडा, पानेर की 17 वर्षीय गणेशी मेघवाल ने नैरोबी, केन्या से वैश्विक स्तर पर हो रही ICPD 25 कांफ्रेंस में पूरे विश्व को अपनी एवं गोगुन्दा की किशोरियों की स्थितियों से अवगत कराया। गणेशी ने अपने साथ हुए बाल विवाह एवं उससे उत्पन्न दुष्प्रभावों को सबके समक्ष रखा। साथ ही उसने सभी को उसी दौरान अपने गाँव में चल रहे किशोरी समूह से जुड़ने एवं कौशल द्वारा स्वयं के पैरों पर खड़े होने का सफ़र भी बताया। विश्व स्तर की इस कॉफ्रेंस में गणेशी ने सभी को यह सन्देश दिया कि अब समय आ गया है कि किशोरियां, उनके माता–पिता एवं सभी देशों की सरकार बाल विवाह के लिए ना बोलें। गणेशी ने सभी से आग्रह किया कि जो माता पिता उसको सुन रहे हैं, वे अपने बच्चों के साथ ऐसा न करें न ही किसी के साथ ऐसा होने दें। अपनी बात रखने के बाद गणेशी ने 10 मिनट तक सभी संभागियों के प्रश्नों का जवाब भी दिया। कांफ्रेंस में गणेशी का आत्मविश्वास सराहनीय था। गणेशी का कहना है कि जतन संस्थान से जुड़ने के बाद उसे अपने जीवन का पहला वैश्विक भ्रमण करने का अवसर मिला। हिलोर परियोजना ने उसे बहुत कुछ सिखाया है।

2 दिसम्बर को हिलोर परियोजना की लगभग 100 किशोरियों ने एस.डी.एम. कार्यालय, सी.एच.सी. और गोगुन्दा पुलिस थाने का भ्रमण कर इन विभागों की कार्य प्रणाली को जाना। ये दिन सभी के लिए जीवंत और सीखने से भरपूर था।

"एसडीएम सर, पुलिस सर और मैडम से मिलकर, मैं पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और अच्छा महसूस कर रही हूँ।"

– गोगुन्दा की एक किशोरी

प्रज्जवला

राजस्थान में पांच जिलों (उदयपुर, डूंगरपुर, भीलवाड़ा, सिरोही और राजसमन्द) के 37 कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों में जतन संस्थान द्वारा, बोध शिक्षा समिति के समर्थन से "सीखने में सुधार कार्यक्रम 'प्रज्जवला' संचालित किया जा रहा है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (के.जी.बी.वी.) आवासीय विद्यालयों के माध्यम से शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की नामांकित और ड्रॉप आउट लड़कियों की शिक्षा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने के लिए संचालित की जा रही एक राष्ट्रीय सरकारी योजना है। यह राजस्थान में के.जी.बी.वी. के व्यापक विकास के उद्देश्य से संचालित की जा रही परियोजना है, जिसमें शिक्षा एक केंद्रीय घटक है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य सभी लड़कियों की व्यापक सीखने की उपलब्धियों को सुनिश्चित करना है।

शिक्षा में हस्तक्षेप प्रक्रिया को लागू करने से पहले, बच्चों के मौजूदा सीखने के स्तर और उनकी सीखने की जरूरतों को समझने के लिए इसका मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण था। हस्तक्षेप के लिए लक्षित वर्ग शून्य ग्रेड है, जहां नई नामांकित लड़कियों के जल्दी सीखने के लिए पठन–पाठन सामग्री का उपयोग किया जाता है। आमतौर पर यह पाया गया है कि जब लड़कियां शून्य ग्रेड पास करती हैं, तब भी उनमें बुनियादी संख्यात्मकता और साक्षरता कौशल की कमी होती है।

कार्यक्रम के तहत इन लड़कियों को अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने और शिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित होने का अवसर भी मिलता है जिससे उनका सशक्तिकरण भी होता है। यहां यह महत्वपूर्ण है कि उन सभी क्षेत्रों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाए, जहां सीखने के किसी भी परिणाम में प्रमुख कमियां पाई जाती हैं।

अब बदलने लगी है रौनक

रौनक हमारे यहाँ के.जी.बी.वी. की कक्षा छः में पढ़ने वाली छात्रा है। वह बहुत शांत स्वाभाव की थी और उसे किसी से बातचीत करना पसंद नहीं था। उसके कम बोलने की वजह से और चुप रहने के कारण उसके साथ काम करना बहुत ही कठिन हो रहा था। जब रौनक के साथ मैंने बातचीत शुरू की और ये विश्वास दिलाया कि वह बहुत अच्छी तरह से अपनी पढाई पूरी कर सकती है तब उसने मुझ से बात करना शुरू कर दिया। धीरे–धीरे मुझसे पढ़ाई के बारे मे पूछने लगी। उसे किताबें पढ़ना अच्छा लगने लगा। जब मुझे ये पता लगा कि उसे खेलना और नाटक करना अच्छा लगता है, तब उसे स्कूल के प्रोग्राम में नाटक में भाग लेने का अवसर दिया जिसे उसने बहुत अच्छे से निभाया। अब मैं रौनक के व्यव्हार में बहुत बदलाव देख रही हूँ।

– डिंपल सेन, अनुदेशिका

किशोरों के लिए जेंडर समता

जेंडर संवेदनशीलता के लिए अनूठी पहल

आई.सी.आर.डब्ल्यू. और शिक्षा विभाग के सहयोग से जतन ने सितम्बर 2019 से उदयपुर जिले के खेरवाड़ा ब्लॉक में विद्यालय जाने वाले लड़कों और उनके शिक्षकों के साथ जेंडर विषय पर एक नयी शुरुआत की। जेम्स फॉर बोयज़ छठी से आठवीं कक्षा के किशोर छात्रों के साथ काम करता है। पहले वर्ष में खेरवाड़ा के 94 विद्यालयों से 183 शिक्षकों और करीब 5000 छात्रों के साथ विभिन्न सत्रों द्वारा जेंडर पर समझ पुख्ता करने का प्रयास किया गया। इनमें मुख्य रूप से समानता की बात, संबंधों में सत्ता की भूमिका, जेंडर क्या है?, पुरुषत्व को समायोजित करने का दबाव और दुष्प्रभाव, शरीर मानचित्रण और हिंसा पर सभी समझ बनाई गई। जेंडर रोल, स्वभाव, रवैये भी पुरुषों पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। व्यक्ति और समाज द्वारा इसके हानिकारक परिणामों को निरंतर बनाये रखा जाता है। यदि बच्चों में ये समझ कम उम्र में विकसित की जाए, तब समानता पर आधारित समाज की ओर एक सकारात्मक पहल की जा सकती है।

इस कार्य में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। यहीं सोच इस परियोजना का आधार बनी और सबसे पहले शिक्षकों को जेंडर विषय पर संवेदनशीन करने का कार्य प्रारम्भ किया गया, ताकि वे विद्यार्थियों तक इसे ले जा सके।

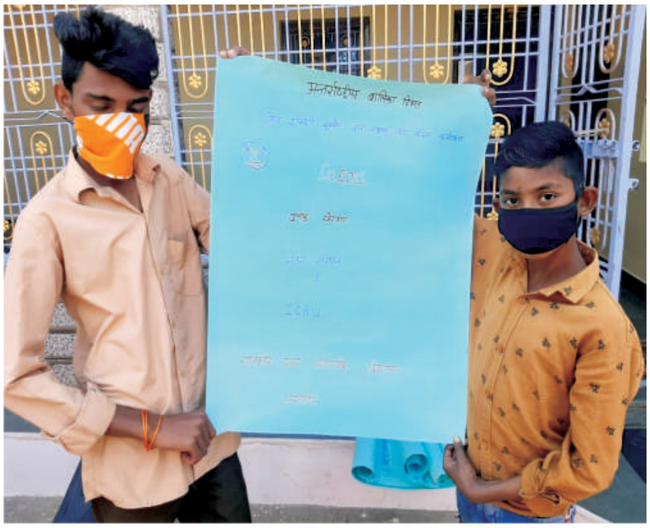

जेम्स ने उदयपुर जिले के खेरवाड़ा क्षेत्र के विद्यालयों में जेण्डर समानता के लिए एक उपयोगी और व्यावहारिक पद्धति का प्रमाण प्रस्तुत किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समानता को बढ़ावा देना, पुरुषत्व/पुरुष होने से जुड़े स्वीकार्य और अपेक्षित सामाजिक नियमों की पुनर्व्याख्या करना और सभी प्रकार की हिंसा का विरोध करना है। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और जेम्स प्रोग्राम के प्रति संवेदनशील बनाना रहा है। शिक्षकों के साथ ECF (समान समुदाय फाउंडेशन, पुणे), साथी, ICRW और जतन संस्थान स्टाफ इस प्रशिक्षण में भागीदार रहे है।

शिक्षकों के माध्यम से लड़कों के लिए स्कूल में मॉड्यूल में दिए गए सत्र संचालित करना और विषयों पर समझ विकसित करना। इस परियोजना की महत्वपूर्ण कार्य प्रणाली रही। इसके लिए ICRW दिल्ली से नियमित सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा, इसके लिए प्रशिक्षण आयोजित किए गए। मॉड्यूल की सहायता से परियोजना के फील्ड फैसिलिटेटर्स को इस प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया गया, ताकि वे शिक्षकों को स्कूलों में मॉड्यूल को संचालित करने के लिए प्रेरित और मदद कर सकें।

पंचायत में किशोरियों की भागीदारी

भीलवाड़ा के सहाड़ा विकास खंड में द हंगर प्रोजेक्ट और AJWS के सहयोग से महिला जन–प्रतिनिधियों के साथ मिलकर 10 पंचायतों में किशोरियों के जीवन कौशल शिक्षा पर केन्द्रित बाल विवाह के विरुद्ध अभियान की शुरुआत अप्रैल 2015 से की गई। इसके लिए पंचायत स्तर पर किशोरियों के 10 समूह बनाकर जीवन कौशल शिक्षा पर उनके साथ मासिक बैठकें और नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन किशोरी समूहों ने अपने गाँव में होने वाले दर्जनों बेमेल या जल्दी विवाह की सूचना जन–प्रतिनिधियों और संबंधित विभागों तक पहुंचाई और बच्चियों के जीवन को सुरक्षित बनाया।

किशोरी समूहों के साथ : आमली, भरक, लाखोला, सरगांव, सुरावास, माझावास, खांखला, सालेरा, गोवलिया, नेगडिया का खेडा ग्राम पंचायतों में किशोरी समूह का गठन कर त्रैमासिक बैठकों का आयोजन किया गया। 65 महिला जनप्रतिनिधि के साथ मिलकर लगभग 550 किशोरियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर कार्य किया गया। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को बाल विवाह के विरुद्ध अभियान से जोड़ना, पंचायत की बैठकों तक किशोरियों की पहुँच बनाना, सरकारी योजनाओं से जोड़ना, पंचायती राज चुनाव में किशोरियों की भूमिका निर्धारित करना, मुद्दों की प्राथमिकता को समझना जैसे जरुरी मुद्दों पर समझ विकसित करना था।

इस वर्ष ब्लॉक स्तर पर एक 'किशोरी मंच' का गठन किया गया जिसमें 10 पंचायतों के किशोरी समूह की लीडर के साथ प्रति 3 माह में 1 बैठक का आयोजन किया जाता है। बैठकों में किशोरियों के मुद्दों पर चर्चा कर उन मुद्दों को ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों तक बात पहुँचाने की ज़िम्मेदारी किशोरियों ने संभाली।

नेतृत्व निर्माण कार्यशाला : इस वर्ष किशोरियों के साथ नेतृत्व निर्माण की 2 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में नेतृत्व व लीडर की पहचान करना, जीवन कौशल, तनाव का सामना करना, संप्रेषण कौशल बढ़ाना, संवैधानिक नागरिकता और अधिकारों की जानकारी देना, सहयोगी ढांचे की पहचान करवाना और इसके उपयोग व रणनीति को समझना तथा किशोरियों के महिला जनप्रतिनिधि के साथ सहयोगात्मक रिश्ते तैयार करवाना जैसे मुद्दों पर समझ विकसित की गयी।

किशोरी सन्दर्भ केन्द्र की शुरुआत : पंचायत स्तर पर किशोरियों के लिए मिल–जुल कर आपसी संवाद के और सीखने–सिखाने के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए खांखला और लाखोला पंचायतों में 2 'किशोरी सन्दर्भ केन्द्र' की शुरुआत की गयी। खांखला सरपंच दीपिका जी सोनी और लाखोला सरपंच कंचन देवी जाट द्वारा केंद्र के लिए अपनी पंचायत मे सार्वजनिक भवन उपलब्ध करवाया गया।

उम्मीदों का सफ़र– किशोरी मेला : किशोरियों के साथ लगातार पांचवें वर्ष भी फ़रवरी 2020 में 'किशोरी मेला' आयोजित किया गया। मेले में किशोरियों को अपनी पढाई नियमित रखते और व्यावसायिक प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया गया। मेले में लगभग 600 किशोरियों, स्थानीय जन–प्रतिनिधियों और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने भी भाग लिया और किशोरियों के उत्साह को बढाया। किशोरियों ने विभिन्न विषयों पर छोटे समूह में की गयी चर्चा को सबके सामने प्रस्तुत किया और स्कूल व पंचायत में किशोरियों को आने वाली समस्याओं से अवगत करवाया।

विधायक और अधिकारियों के साथ किशोरियों का संवाद: स्थानीय किशोरियों और महिला जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकास अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पंचायत समिति सदस्य, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर व विधायक के साथ विभिन्न मुद्दों पर कार्यवाही करने के लिए एक संवाद का आयोजन किया गया। संवाद में सरगांव की किशोरियों ने अपने गाँव के एक

नाले के भर जाने और इसकी वजह किशोरियों को स्कूल जाने में होने वाली परेशानी से अवगत करवाते हुए आवश्यक कार्यवाही करवाई। इसी तरह गाँव माझावास गावं में अवैध शराब ब्रिकी और शराब का ठेका आबादी क्षेत्र में होने के बारे में बताया तो विधायक महोदय ने उपखण्ड अधिकारी से कार्यवाही करवाई। किशोरियों ने शिक्षकों की कमी, खेल सामग्री की उपलब्धता, कॉलेज खोलना और रोड लाइट्स लगवाने के मुद्दे भी रखे।

विद्यालयों में गार्गी मंच सशक्तिकरण

यूनिसेफ के साथ मिलकर राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और डूंगरपुर जिलों में किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए माध्यमिक विद्यालयों में गठित गार्गी मंच को मजबूत करने की पहल शुरू की गई।

इस परियोजना द्वारा शिक्षा विभाग को तकनीकी और वित्तीय सहयोग के माध्यम से समग्र शिक्षा अभियान, शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के साथ मिलकर गार्गी मंच के संचालन और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रयास किये गए।

यह परियोजना गार्गी मंच के लिए एक मजबूत तंत्र तैयार करेगा जिसमें स्कूलों में लड़कियों का नामांकन और ठहराव, सुरक्षित स्कूलों का विकास और छात्रों की विशेष रूप से लड़कियों की मौजूदा रूढ़ियों और लिंग आधारित हिंसा को चुनौती देने की क्षमता में वृद्धि शामिल है जो उनके विकास को प्रभावित करती है।

परियोजना की शुरुआत कार्यकर्ताओं के चयन और उनके अभिमुखीकरण के साथ की गयी। जिसका उद्देश्य गार्गी मंच (समग्र शिक्षा अभियान, जयपुर द्वारा प्रस्तुत) की संशोधित अवधारणा की गहन समझ प्रदान करना था ताकि जीवन कौशल की अवधारणा की बेहतर समझ हो सके।

शिक्षा संकुल, जयपुर में लाइन विभाग के साथ राज्य स्तरीय परामर्श – गार्गी मंच के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से लड़कियों के साथ–साथ लड़कों के लिए भी सुरक्षित वातावरण बनाने के उद्देश्य से, जयपुर में लाइन विभाग के सहयोग से राज्य स्तरीय परामर्श आयोजित किया गया।

परामर्श प्रक्रिया में 37 व्यक्तियों ने भाग लिया जिनमें गैर सरकारी संगठनों (यूनिसेफ, यू.एन.एफ.पी.ए., सेव द चिल्ड्रन, प्लान इंडिया, रूम टू रीड, प्रवाह आदि) के प्रतिनिधि, जमीनी स्तर के संगठनों के प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी शामिल थे।

गार्गी मंच के लिए वर्तमान दिशा–निर्देश के अनपैकिंग पर कार्य – अक्टूबर, 2019 माह में राजस्थान सरकार द्वारा जारी गार्गी मंच के संशोधित दिशा–निर्देशों को खोलने और समझने के लिए उदयपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य साक्ष्य संग्रह के आधार पर दिशा–निर्देशों का आकलन करना था। राजस्थान के तीन जिलों (जयपुर, उदयपुर और डूंगरपुर) में सर्वे कर 68 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में गार्गी मंच की वर्तमान स्थितियों का पता लगाया गया और इसके लिए साक्ष्य भी एकत्रित किये गए।

विकास के हर मोड़ पर महिलाओं के साथ

पंचायती राज में महिला जनप्रतिनिधियों की सशक्त भागीदारी

महिला जनप्रतिनिधि सशक्तिकरण

द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान द्वारा पंचायतीराज त्रि–स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत चयनित महिला जन प्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य किया जा रहा है। रेलमगरा (राजसमन्द) तथा सहाड़ा (भीलवाड़ा) में गठित महिला पंच–सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढ़ाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय–समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य प्रगति पर है।

ये संगठन एकता से और आपसी समझ के साथ कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला विकसित कर चुके हैं।

स्वीप अभियान: पंचायतीराज चुनाव फिर से दस्तक देने लगे थे तो टीम हेतु अगस्त में स्वीप अभियान पर बेहतर समझ बनाने हेतु आमुखीकरण किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य फिल्ड कार्यकर्ताओं की समझ बढ़ाना, आगामी स्वीप की रणनीति तय करना और नए बदलाव की जानकारी देना रहा।

आमुखीकरण के पश्चात् नामांकन भरने वाले अभ्यर्थियों से संपर्क किया गया और संभावित जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया गया।

सेमुलेशन कैंप: संभावित प्रतिभागियों हेतु और पंचायतीराज चुनाव में उनके निर्बाध नामांकन हेतु नवम्बर माह से 20 सेमुलेशन कैंप आयोजित किये गए. समुदाय को राजनीतिक रूप से जागरूक करने, पंचायत चुनाव और आचार संहिता की जानकारी देने, आरक्षण व्यवस्था की समझ विकसित करने हेतु और विशेष रूप से महिलाओं की पंचायत चुनाव में एक प्रस्तावक, उम्मीदवार और वोटर के रूप में भागीदारी बढ़ाने हेतु ये सेमुलेशन कैंप कारगर सिद्ध हुए हैं। सेमुलेशन में संगठन व महिला जागरूक मंच की सक्रिय भागदारी रही। कैंप के दौरान 40 महिलाओं (संभावित उम्मीदवार) की सूची तैयारी की गयी।

संभावित उम्मीदवार कार्यशाला: चुनाव के समय वंचित वर्ग की महिलाओं को आगे लाने, महिलाओं को किसी भी प्रकार की हिंसा से मुक्त रखने, चुनाव संबंधी सही जानकारी देने और मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी करवाने हेतु संभावित उम्मीदवार कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें 29 ग्राम पंचायतों के 10 क्लस्टर बनाकर ये कार्यशालाएं आयोजित की गयी। रेलमगरा की 4 ग्राम पंचायतों से लगभग 466 प्रतिभागी महिलाएं इस कार्यशाला से जुड़ी।

इसका परिणाम यह हुआ कि 29 ग्राम पंचायतों से कुल 210 महिलाओं ने सरपंच पद हेतु चुनाव लड़ा. कुल 9 महिलाएं उपसरपंच बनी। 15 पूर्व जनप्रतिनिधियों ने चुनाव उम्मीदवारी की थी जिसमें से 6 महिलाएं पुनः विजेता रही। सरपंच/वार्डपंच हेतु किसी भी महिला उम्मीदवार का फॉर्म निरस्त नहीं हुआ।

हैं तैयार हम : सहाड़ा और रेलमगरा की महिलाओं ने इस बार पंचायती राज चुनावों में सर्वाधिक नामांकन और मतदान का प्रण लिया है।

सड़क बनवा कर ही मानी मंजू

जवासिया ग्राम पंचायत की वार्ड पंच मंजू व्यास के सामने प्रमुख समस्या सड़क बनाने की थी। पहली बार वार्ड पंच बनने के बाद महिला पंच सरपंच संगठन से मंजु व्यास का जुड़ाव हुआ था। इसमें निर्वाचित वार्ड पंच/सरपंच के संगठन की प्रथम गतिविधि में ही मंजु ने अपने जवासिया ग्राम पंचायत के वार्ड की समस्या को सामने रख दिया था।

महिला पंच सरपंच संगठन ने इस समस्या को अपना माना व इसके लिए ग्राम पंचायत, रेलमगरा ब्लॉक, जिला स्तर की हर मीटिंग में ज्ञापन दिये। साथ ही प्रधान, जिला प्रमुख के विधायक व सांसद के साथ मिलकर इस मुद्दे को आगे तक भी पहुंचाया।

पाँच साल के कार्यकाल में एक दौर ऐसा आया जब मंजू को लगने लगा कि यह कार्य होगा ही नहीं। तब उसने संगठन को पुनः यह बात याद दिलाई। संगठन ने मंजू को ढाढ़स बंधाया कि हम तुम्हारे साथ है, यह काम करवाकर रहेंगे। इसी दौरान उसने नीड बेस कार्यशाला में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायतों को दर्ज करना सीखा। उसी दिन मंजु ने अपने रोड़ की शिकायत को पोर्टल पर डाला जिससे प्रशासन हरकत मे आया। जब मंजू कार्यशाला से घर आई, तब तक वार्ड में सड़क निर्माण सामग्री पहुँचना शुरू हो गया जिसे देखकर महिला जागरूक मंच के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

आखिरकार वह दिन भी आया जिसमें मंजू के वार्ड तीन में चारभुजा मंदिर से आरणी रोड तक सड़क बनकर तैयार हो गयी। आज मंजू की साथी महिलाएं सड़क पर हाथों में चप्पल लेकर नहीं, बल्कि बेधड़क चप्पल पहन कर चलती हैं।

पंचायती राज में महिला जनप्रतिनिधियों की सशक्त भागीदारी

महिला जनप्रतिनिधि सशक्तिकरण

द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग और मार्गदर्शन में जतन संस्थान द्वारा पंचायतीराज त्रि–स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत चयनित महिला जन प्रतिनिधियों के साथ वर्ष 2002 से कार्य किया जा रहा है। रेलमगरा (राजसमन्द) तथा सहाड़ा (भीलवाड़ा) में गठित महिला पंच–सरपंच संगठन महिला जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकार स्पष्ट करते हुए उनकी भागीदारी को बढ़ाने हेतु सक्रिय रूप से काम के लिए समझ विकसित करने तथा समय–समय पर विविध गतिविधियों द्वारा क्षेत्र विकास के मायने स्पष्ट करने के लिए कार्य प्रगति पर है।

ये संगठन एकता से और आपसी समझ के साथ कार्य करने के दौरान आ रही चुनौतियों का सामना करने की कला विकसित कर चुके हैं।

स्वीप अभियान: पंचायतीराज चुनाव फिर से दस्तक देने लगे थे तो टीम हेतु अगस्त में स्वीप अभियान पर बेहतर समझ बनाने हेतु आमुखीकरण किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य फिल्ड कार्यकर्ताओं की समझ बढ़ाना, आगामी स्वीप की रणनीति तय करना और नए बदलाव की जानकारी देना रहा।

आमुखीकरण के पश्चात् नामांकन भरने वाले अभ्यर्थियों से संपर्क किया गया और संभावित जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया गया।

सेमुलेशन कैंप: संभावित प्रतिभागियों हेतु और पंचायतीराज चुनाव में उनके निर्बाध नामांकन हेतु नवम्बर माह से 20 सेमुलेशन कैंप आयोजित किये गए. समुदाय को राजनीतिक रूप से जागरूक करने, पंचायत चुनाव और आचार संहिता की जानकारी देने, आरक्षण व्यवस्था की समझ विकसित करने हेतु और विशेष रूप से महिलाओं की पंचायत चुनाव में एक प्रस्तावक, उम्मीदवार और वोटर के रूप में भागीदारी बढ़ाने में ये कैम्प कारगर रहे हैं।

परिवार परामर्श केंद्र, रेलमगरा

वर्ष 2012 से महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने और हिंसा की शिकार महिलाओं को परामर्श, पैरवी और कानूनी सहयोग व मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए राजसमन्द और रेलमगरा में परिवार परामर्श केंद्र संचालित किया जा रहा है। केंद्र द्वारा नियमित रूप से महिलाओं को सेवाएँ प्रदान की जा रही है। केंद्र की अपनी एक विशिष्ठ पहचान स्थापित हो गयी है जिसे स्थानीय पुलिस थाने द्वारा मान्यता देते हुए विभिन्न प्रकरणों को परामर्श के लिए संस्थान के परामर्श केंद्र पर रेफ़र किया जाता है।

इस सत्र में परामर्श केंद्र पर आए विभिन्न परिवाद की स्थिति को निम्नानुसार समझा जा सकता है–

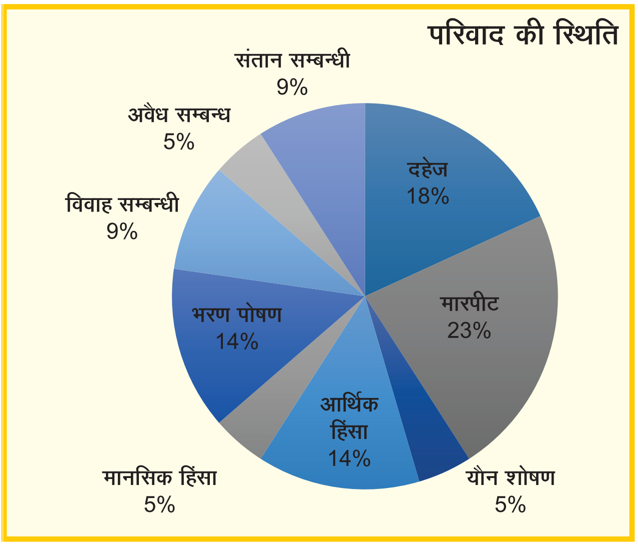

इन परिवादों के निस्तारण में केंद्र के परामर्शदाताओं ने आपसी सहमति को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्यवाही की। इनमे कुछ प्रकरणों में आपसी सहमति से महिला अपने घर लौट गयी तो कुछ प्रकरणों में अभी कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। इसी तरह एक महिला को उसके परिवार वालों से मिलवाया गया जबकि कुछ प्रकरणों में महिलाओं को उनके बच्चे पुन: दिलवाए गए। एक प्रकरण में महिला और पुरुष दोनों ने आपसी सहमती से अलग अलग रहना तय किया। केन्द्र द्वारा एक श्रमिक महिला को ठेकेदार से पैसे भी दिलवाए गए।

सुरक्षित माहवारी प्रबंधन / उगेर

अपनी पहुँच को और आगे बढ़ाते हुए उगेर यूनिट ने प्रजनन और माहवारी स्वास्थ्य पर अपने काम को जारी रखा. इस वर्ष भी हमारा मुख्य उद्देश्य सभी को साथ लेकर उसी ऊर्जा के साथ माहवारी पर चुप्पी तोड़ना रहा। हमारे आजीविका समूह को पर्याप्त रूप रोजगार प्रदान करते हुए हमने सेनिटरी पेड नैपकिन, बैग, पाउच और अन्य उत्पादों का निर्माण कार्य बेहतर तरीके से किया।

हमारी प्रशिक्षक टीम पूरे वर्ष विभिन्न संस्थाओं के साथ जमीनी स्तर पर प्रशिक्षणों में व्यस्त रही, जिनमें दूसरा दशक, अमिड अलवर, अम्बुजा सीमेंट के सीएसआर प्रोजेक्ट, सीआइआइ (कन्फेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्रीज), झारखण्ड में सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यशालाएं, आदि मुख्य हैं. इसी वर्ष हमने उगेर की पहली ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जो कि एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कोरपोरेशन) के सीएसआर के लिए थी। तब हमें इसका महत्त्व नहीं पता था क्योंकि इसने हमें आने वाले महामारी के वर्ष के लिए तैयार कर दिया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में उगेर को आमंत्रित किया गया, जिनमें राज्य स्तरीय माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन कंसल्टेंसी, "चुप्पी तोड़ो" कार्यक्रम, जिसे सेंटर फॉर माइक्रो फाइनेंस के साथ आयोजित किया गया। बाद में हमने राज्य के दो प्रखंडों में अध्यापकों और प्रधानाध्यापकों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। इसके अतिरिक्त मेंस्ट्रूअल हेल्थ अलायंस और यूनिसेफ द्वारा आयोजित माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यशाला में हमने विशेषज्ञ के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई इस वर्ष हैदराबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ़ इंडिया ने स्वच्छता पर पहल करते हुए "इंकवास्क" नाम से कार्यक्रम किया, जिसमें उगेर के दो उपक्रमों, मेन इन मेंस्ट्रूएशन और मेंस्ट्रूअल किट का चयन किया गया। देश के उत्तर–पूर्वी 4 राज्यों में उगेर

यूनिट, स्टाईनर, आई.आई.टी. मद्रास और एन.इ.आर. सी.ओ.आर.एम.पी. के संयुक्त प्रोजेक्ट से वित्तीय वर्ष का समापन हुआ। मेघालय, आसाम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में 4 स्वयं सहायता समूहों के साथ की गई। विभिन्न गतिविधियों में माहवारी प्रबंधन पर जागरूकता और प्रशिक्षण, उगेर पेड्स की उपभोक्ताओं द्वारा परख और निर्माण इकाईयों का गठन मुख्य रहे।

पिछले वित्तीय वर्ष में उगेर पेड्स पुणे इंटरनेशनल सेंटर के वार्षिक सोशल इनोवेशन अवार्ड में चुना गया था, जिसके परिणामस्वरूप उगेर उनके मेंटरशिप कार्यक्रम का हिस्सा रहा, जो वर्ष पर्यंत चला। इस साल हमारे काम को दो संस्थाओं गूँज और ग्रामालय से अवार्ड और सर्टिफिकेशन द्वारा भी पहचान मिली, जिन्होंने हमारी "कॉपी लेफ्ट" की नीति को "सर्वश्रेष्ठ कार्य" के रूप में सराहा और मान दिया। "कोपासा अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस" में हमारी "माहवारी में पुरुष" पोस्टर प्रविष्टि को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

नागरिकता, शासन और स्वास्थ्य में जवाबदेही पर आयोजित कोपाश वैश्विक संगोष्ठी 2019 में 14 से अधिक देशों के 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में आयोजित पोस्टर श्रेणी में जतन संस्थान ने सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का पुरस्कार जीता। जिसे लक्ष्मी मूर्ति के मार्गदर्शन में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिजाईन (एन.आई.डी.) से आई एक इंटर्न गायत्री अत्तूर द्वारा डिजाइन किया गया था।

साथी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं की क्षमतावर्द्धन :

दिसम्बर 2020 में दूसरा दशक की देसुरी टीम के साथ प्रजनन स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया और कार्यकर्ताओं को माहवारी के मुद्दें पर अवधारणात्मक समझ स्पष्ट की गई।

28 सितम्बर 2019 को त्रिचिरापल्ली तमिलनाडु की एक गैर सरकारी संगठन ग्रामालय ने भारत आवास केंद्र नई दिल्ली में एक अखिल भारतीय एमएचएम शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें पूरे देश से 163 प्रतिभागी शामिल हुए।

सम्मेलन में कुछ संगठनों और एजेंसियों को माहवारी के मुद्दे पर कई वर्षों से किये जा रहे काम के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया गया।

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जतन संस्थान भी उनमें से एक थी।

साल के जाते–जाते कोविड–19 महामारी ने दस्तक दे दी। उगेर यूनिट ने वक्त की नज़ाकत को समझते हुए अपनी रणनीति बदली और स्थानीय हॉस्पिटल्स की सहायता से कपड़े के मास्क बनाया आरंभ कर दिया। मार्च के अंत तक भारत सरकार के साथ मास्क बनाने की प्रक्रिया और मास्क को चरणबद्ध तरीके से बनाने के चित्र और मैन्युअल साझा कर चुके थे।

एक साथ राष्ट्रीय अभियान

जेंडर समानता में पुरुषों की भागीदारी

जतन अपने शुरूआती वर्षों से ही पितृसत्तात्मक ढांचे को बदलने के लिए जेंडर समानता पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पुरुषों के साथ कार्य कर रही है। इस वर्ष जेंडर समानता, जेंडर न्याय और सामाजिक न्याय पर लड़कों और पुरुषों के साथ काम करने वाले "एक साथ राष्ट्रीय अभियान" से संस्था का जुड़ाव हुआ, जिसे दिल्ली स्थित सेंटर फॉर हेल्थ एंड सोशल जस्टिस नामक संस्था ने आरंभ किया है और इस अभियान में जतन को राजस्थान राज्य सचिवालय के रूप में पहचान मिली और राजस्थान राज्य में इस अभियान का नेतृत्व करना का अवसर प्राप्त हुआ। पहले वर्ष में जतन की एक साथ टीम ने अपनी सहयोगी संस्थाओं की सहायता से 09 जिलों में 400 लड़कों और पुरुषों को जोड़ा, जिन्हें समानता साथी के रूप में पहचान दी गई। ये समानता साथी जेंडर समानता पर चर्चा और गतिविधियों के विधिवत संचालन हेतु अपने– अपने जिलों में व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़े और इनका नेतृत्व और समन्वयन करने के लिए कुल 16 हमराही अथवा मेंटर चुने गए। पूरे वर्ष में हर तिमाही में एकसाथ अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों, ऑडियो कहानियों द्वारा लड़कों और पुरुषों को महिला–पुरुष बराबरी में उनकी भूमिका को लेकर संवेदनशील करने पर फोकस किया गया।

इस अभियान का व्यापक असर देखने को मिला और कई सफलता की कहानियां सामने आई।

9 जिले, 400 समानता साथी, 16 मेंटर्स, 9 संस्थाएं

जावेद की कहानी, जावेद की जुबानी

"मैं मोहम्मद जावेद, राजसमन्द जिले के रेलमगरा खण्ड के छोटे से गाँव सांसेरा का निवासी हूँ। मेरे परिवार में मेरे अलावा मम्मी–पापा और एक छोटा भाई रहते हैं। हमारा परिवार खेतीबाड़ी करके अपना जीवन – यापन करता है।

जतन संस्थान द्वारा चलाये जा रहे एक साथ अभियान के तहत मैं समानता साथी के रूप में जुड़ा तथा मैंने सारी बैठकों में भाग लिया तथा ऑडियो कहानी 'दीनू काका तथा रमा काकी' के बीच में घर के काम को लेकर जो चर्चा हुई उस सुनने के बाद दिमाग में कई तरह के विचार घूमने लगे व समझ में आया कि वाकई में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा काम करती है। मैं मेरे अन्य दोस्तों की तरह जिस माहौल में रहा उसके अनुरूप पहले दिनभर मौज मस्ती करता रहता था तथा चाय का कप भी कभी एक जगह से उठाकर दूसरी जगह नहीं रखता था। मैंने खुद के बारे में सोचा कि मैं दिनभर कुछ नहीं करता, जबकि मेरी बहन व मम्मी को कितना ज्यादा काम करना पड़ता है। फिर अगले ही दिन से मैं भी घर के काम में मम्मी व बहन का हाथ बंटाने लगा।

इस बदलाव में सबसे बड़ी चुनौती मुझे मेरे मम्मी से ही आई। जब मैं घरेलू कार्य करने लगा तो मेरी मम्मी ही सबसे पहले मुझे मना करने लगे कि "रहने दे बेटा, मैं सब कर लूंगी" पर अच्छी बात ये रही कि मेरे पापा ने मेरे इस बदलाव में पूरा साथ दिया।"

राजपुष्ट – चैंपियन री माँ, थोड़ो और खा

सिफ (CIFF) और आई.पी.ई. ग्लोबल (IPE Global) द्वारा राजस्थान में बच्चों के पोषण स्तर को उन्नत करने हेतु राजपुष्ट परियोजना का शुभारम्भ किया। इसका मुख्य उद्देश्य नवजात शिशु, गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए बनायी गई राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुँचाना और मातृत्व स्वास्थ्य पर जागरूक करना है।

जतन, आई.पी.ई. ग्लोबल के साथ उदयपुर जिले में परियोजना के सफल संचालन के लिए उपयुक्त कार्यकर्ताओं का चयन कर रही है, जिसमें महिला और पुरुष कार्यकर्ता हैं और परियोजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उन्हें निरंतर प्रेरित कर रही है। सभी पोषण चैंपियंस तकनीकी दक्षता वाले और फिल्ड कार्य में पारंगत हैं। प्रत्येक पोषण चैंपियन 35 से 40 आंगनवाडियों पर कार्यकर्ता और आशा सहयोगिनी की सहायता से गर्भवती और धात्री महिलाओं की राजपुष्ट एप द्वारा काउंसलिंग भी करते हैं।

उदयपुर जिले के सभी ब्लॉक्स में राजपुष्ट हेतु 72 पोषण चैंपियंस की मदद से कुल 3,175 आंगनवाडियों में हर महीने करीब 2,500 लोगों तक पहुँच बन सकी है।

आगामी वर्षों में आई.पी.ई. ग्लोबल टीम के साथ जतन भी फिल्ड स्तर पर अपने पोषण चैंपियंस का मार्गदर्शन करेगी और इस परियोजना के तहत उदयपुर जिले में सभी गर्भवती और धात्री महिलाओं की बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बनाने का प्रयास किया जायेगा।

प्रकाशन

इस सत्र में हिंदुस्तान जिंक व महिला और बाल विकास के साथ मिलकर संचालित की जाने वाली "खुशी" परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता, सुपरवाइजर और खुशी टीम के साथियों के लिए 5 पुस्तिकाओं का एक सेट तैयार कर प्रकाशित किया गया। इसकी मुख्य पुस्तिका का शीर्षक 'आंगनवाड़ी का एक दिन' रखा गया है, जिसमें उन सभी क्रिया–कलापों को बहुत ही रोचक तरीके से समझाया गया है जो कार्यकर्ता पूरे दिन कराती है। साथ ही बच्चों के विकास के सभी पहलुओं पर भी समझ बढाने का प्रयास किया गया है। ये पुस्तक बहुत ही सरल हिंदी भाषा में लिखी गयी है। पुस्तक का सबसे रोचक पहलु यह है कि इसमें कुछ स्थानों पर बार कोड दिया है जिसका उपयोग कर आप सीधे इन्टरनेट के माध्यम से उस विषय से सम्बंधित विड़ियो से जुड़ सकते हैं। इसके साथ ही 4 छोटी पुस्तिकाओं को कुन्जी के नाम से तैयार किया गया है। इसमें स्वास्थ्य, सामुदायिक सहभागिता, निगरानी और क्षमताएँ बढाने के लिए जरुरी जानकारी दी गई है।

"ये किताब हमारे लिए बहुत उपयोगी है। इसे पढ़ कर हम अपने 5 घंटे के कार्य समय का बहुत ही अच्छी तरह से प्लान बनाकर सदुपयोग कर सकते हैं।" – मधु मोरे मराठा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

इंटर्न और वालंटियर

मैं एक इंडस्ट्रियल डिज़ाइनर हूँ और अपने अध्ययन की आवश्यकता के तौर पर मुझे जतन में इंटर्नशिप करने का अवसर मिला। अपने काम के दौरान मैंने लक्ष्मी मूर्ति जी के मार्गदर्शन में धरातल स्तर पर गोबर के महत्त्व को समझाने और उसके लिए एक समाधान डिजाईन विकसित करने का प्रयास किया। जतन संस्थान के साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव था।

भाविक एन. धोमने, इंडस्ट्रियल डिजाइनर

भारत और विदेश के विख्यात विश्वविद्यालयों और संस्थानों से समय–समय पर सामाजिक विकास के क्षेत्र में अनुभवों के आदान–प्रदान के लिए जतन से इंटर्न (प्रशिक्षु) और वालंटियर (स्वयंसेवक) जुड़ते रहते हैं। अलग–अलग परियोजनाओं और कार्यक्षेत्रों में अपने योगदान के बूते स्थानीय समुदाय में इंटर्न और वालंटियर अपनी एक पैठ भी बनाते हैं।

वर्ष 2019–20 इंटर्नशिप और volunteering में संस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण साल रहा। देश–विदेश से आये प्रशिक्षुओं ने संस्था की विभिन्न परियोजनाओं से जुड़ते हुए सामाजिक कार्यों और तकनीकों में अपनी समझ बनाई और संस्था ने भी विभिन्न विषयों में दक्ष इन प्रशिक्षुओं के नज़रिये से अपने प्रोजेक्ट्स को और गुणवत्तापूर्ण करने का प्रयास किया।

इस कार्यक्रम में होस्ट परिवार भी मुख्य भूमिका निभाते हैं और पिछले वर्षों में जतन के पास एक बड़ा होस्ट परिवारों का समूह तैयार हो गया है जो हमारे प्रशिक्षुओं को ना सिर्फ अपने घर में एक पारिवारिक सदस्य के तौर पर शामिल करते हैं, वरन उन्हें इस क्षेत्र से जुड़े रीति–रिवाजों, परम्पराओं, सभ्यता–संस्कृति को समझने में भी सहायक होते हैं।

इस वर्ष भी विभिन्न संस्थानों से इंटर्न और वालंटियर्स ने जतन के काम को सीखा और समझा। इनमे युनाइटेड वर्ल्ड इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन, गांधीनगर गुजरात, माउंट सेंट मैरी यूनिवर्सिटी ग्रुप सर्विस ट्रिप, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, स्माईल इंटर्न प्रवाह दिल्ली, आगा खां एकेडमी, हैदराबाद आई.आई.एच.एम.आर, जयपुर बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्कूल, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बैंगलोर, राज–राजेश्वरी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, बैंगलोर, आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली, पंजाब और उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर जैसे संस्थान प्रमुख रहे हैं।

इंटर्न गायत्री अत्तूर द्वारा कोपाश ग्लोबल सिम्पोजियम 2019 के लिए विकसित किया गया एक पोस्टर, जिसे प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

स्वस्थ परम्पराएं

जतन वार्षिक केम्प 2019

खेतला जी, जिला–पाली (28–31 दिसम्बर 2019)

जतन संस्थान के समस्त कार्यकर्ताओं को एक साथ मिल–जुल कर सीखने–सिखाने, अपने अनुभवों को आपस में बांटने और संस्था के मूल्य और संस्कृति पर अपनी समझ विकसित करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष एक कैंप का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी कार्यकर्ता 3 दिन साथ रहकर विभिन्न गतिविधियों से जुड़ते हुए अपनी क्षमता वर्धन का प्रयास करते हैं। इस वर्ष पाली के खेताला जी नामक स्थान पर आयोजित कैंप में कुल 182 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कैंप में 'युवाओं के साथ काम की चुनौतियां व दिशा निर्धारण' विषयक परिचर्चा में क्षमातालय संस्थान से विवेक कुमार, दूसरा दशक से वीणा कुमारी, मेवाड़ी भाषा विशेषज्ञ पन्नालाल जी पटेल और नाट्यांश संस्थान से जुड़े नाट्यकर्मी मुबीन खान ने भाग लेते हुए कार्यकर्ताओं को अपने अनुभव से लाभान्वित किया। कैंप का मुख्य आकर्षण ओडिसी नर्तक कृष्णानेंद्रू का ओडिसी नृत्य रहा। कार्यकर्ताओं के लिए बाहरी खेल–कूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

'इस कैंप में हमें अपनी आयु के अनुसार बाँट कर प्रश्न–उत्तर और चर्चा के माध्यम से कार्य संस्कृति और सामाजिक मूल्यों के बारे में बताया गया जो मुझे बहुत अच्छा लगा। संस्था से जुड़ कर जब काम करना शुरू किया था तब और आज कैसा लग रहा है, जैसे प्रश्नों के जरिये मैंने स्वयं की सोच में हुए बदलाव को महसूस किया।'

मीना कुमारी – क्षेत्रीय कार्यकर्ता, गोगुन्दा

जश्न–ए–जतन 2019

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जतन संस्थान का स्थापना दिवस 'जश्न–ए–जतन' 12 जून, 2019 को हुनरघर रेलमगरा में मनाया गया। इस वर्ष की थीम में सूफी और मुस्लिम संस्कृति की झलक देखने को मिली। स्थापना दिवस मनाये जाने का उद्देश्य भी यही है कि विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन से अपनी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को जाने, समझें और उन्हें आत्मसात भी कर सकें।

कार्यक्रम में संस्थान के सहयोगी, शुभचिंतक और कार्यकर्ता अपने परिवारजन के साथ शिरकत करते हैं। इस वर्ष की रोचक बात यह रही कि आयोजन की थीम के अनुरूप सब लोग मुस्लिम परिवेश में ही आये।

यहाँ तक कि जश्न–ए–जतन में आएं कार्यकर्ता और अतिथियों के लिए पारंपरिक मुस्लिम भोजन ही तैयार करवाया गया, जिसका सभी ने खूब आनंद उठाया।

अजमेर से आये कव्वाल समूह ने अपनी कव्वालियों और कलाम से सब को भाव–विभोर कर दिया। इस अवसर पर रेलमगरा के तारा बेगम और राजसमंद की वर्धनी पुरोहित को विजय जोशी सम्मान से नवाज़ा गया।

जतन संस्थान ने मनाया 19वां स्थापना दिवस

बरसती बूंदों में खूब जमा सूफियाना रंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रेलमगरा. कव्वालों की जोशीली आवाज और उनके एक से बढ़कर एक कलामों और नगमों को सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया। मौका था जतन संस्थान के 19वें स्थापना दिवस का। खड़बामनिया में स्थित हुनर घर परिसर में लखनवी नवाबों की थीम पर आधारित इस सालाना जलसे में राजसमन्द, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर से आए अतिथियों सहित स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत जतन बोर्ड सदस्यों ने दीप जलाकर की, बाद में संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने मेहमानों का स्वागत करते हुए 19 वर्षों की विकास यात्रा के बारे में जानकारी दी। रिमझिम बूंदों के बीच खुले आसमान तले रंग बिरंगी रोशनी से लकदक मंच पर अजमेर से आए कव्वालों ने भर दे झोली मेरी मोहम्मद..., दमादम मस्त कलंदर..., निजामुद्धीन ओलिया..., पिया हाजी अली..., अर्जिया यारों सब दुआ करो..., झूम बराबर झूम सहित कई सुफियाना कलाम पेश कर समां बांध दिया। इस अवसर पर रणवीरसिंह, संजय चित्तौड़ा, अश्विनी पालीवाल, अनीता माथुर, जिला विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष नरेन्द्रकुमार आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जतन संस्थान के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सूफियाना कलाम पेश करते कव्वाल। रेलमगरा

खास–खास

प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अपने काम की शुरुआत करते हुए, माहवारी विषय पर 'चुप्पी तोड़ो–खुल कर बात करो' जैसे सशक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए सेफ एक्सेस, दिल्ली के सहयोग से एल.जी.बी.टी. क्यू. प्लस समुदाय के साथ मिलकर उनसे जुड़े मुद्दों पर एक सफल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए सभी को खुला निमंत्रण दिया गया था। प्रशिक्षण में लगभग 36 सहभागियों ने शामिल होकर अपनी सक्रीय भागीदारी सुनिश्चित की।

ये कदम जतन के लिए मील का पत्थर है।

18 मई 2019 को जतन संस्थान के रेलमगरा कार्यालय में ब्लॉक संदर्भ दल की आयोजित बैठक में दल के सदस्यों ने संस्थान के कार्यों की समीक्षा की।

ब्लॉक्स संदर्भ दल जतन की स्थानीय सलाहकार समिति है, जिसमें शिक्षाविद्, वकील, डॉक्टर, पत्रकार, जन–प्रतिनिधि, अध्यापक, पूर्व सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता जैसे प्रभावी व्यक्ति सम्मिलित होते हैं। संदर्भ दल की बैठक वर्ष में 2 या 3 बार आयोजित की जाती है, जिसमें संस्थान की गतिविधियों से सदस्यों को अवगत करवाया जाता है और उनका मार्गदर्शन लिया जाता है।

16 फ़रवरी 2020 को राजसमन्द में नौ चौकी पाल पर आयोजित 'बच्चों की दुनिया' विषयक पोस्टर बनाओ उत्सव में अपनी दुनिया को रंगों से उकेरते बच्चे। अस आयोजन में जिले के 350 बच्चों ने भाग लेकर अपनी दुनिया को विभिन्न रंगों से आकार दिया।

5 फरवरी 2020 को Push The Stigma Away के आंदोलन का समर्थन करते हुए जतन उदयपुर कार्यालय स्टाफ के कई सदस्य गुरुवार को रेड स्पॉट अभियान में शामिल हुए।

सम्मानित हुई जतन

आपकी खबरें :- धर्म, समाज, क्लब, एसोसिएशन और संस्थाओं के आयोजन

जतन संस्थान गरिमा शक्ति पुरस्कार से सम्मानित

उदयपुर | जतन संस्थान को जयपुर में गरिमा शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। संस्थान को यह सम्मान राज्य स्तरीय महिला दिवस सप्ताह समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने दिया। राज्य स्तर पर किशोरी एवं महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए संस्थागत श्रेणी में संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी को सम्मानित किया गया। तकनीकी एवं उच्च शिक्षा मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) डॉ. सुभाष गर्ग, शासन सचिव महिला अधिकारिता केके पाठक, महिला एवं बाल विकास निदेशक पीसी पवन, समेकित बाल विकास निदेशक डॉ. प्रतिभा सिंह आदि मौजूद थे।

निदेशालय महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर द्वारा जतन संस्थान को गरिमा बालिका संरक्षण एवं सम्मान योजना के अंतर्गत बालिकाओं के संरक्षण एवं गरिमा बढाने हेतु सराहनीय योगदान के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। जतन के लिए ये गौरव का विषय है कि हमारे काम को राज्य स्तर पर न केवल पहचान मिली है बल्कि उसकी सराहना और प्रशंसा भी हुई है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

निदेशालय महिला अधिकारिता
महिला एवं बाल विकास विभाग

प्रशस्ति-पत्र

जतन संस्थान को संस्थागत श्रेणी में गरिमा बालिका संरक्षण एवं सम्मान योजना के अन्तर्गत बालिकाओं के संरक्षण एवं गरिमा बढाने हेतु सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है।

(पी.सी. पवन)
निदेशक
महिला अधिकारिता, जयपुर

(के.के. पाठक)
शासन सचिव
महिला एवं बाल विकास विभाग

सम्मानित हुई जतन

28 सितम्बर 2019 को त्रिचिरापल्ली तमिलनाडु की एक गैर सरकारी संगठन ग्रामालय ने भारत आवास केंद्र नई दिल्ली में एक अखिल भारतीय एमएचएम शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें पूरे देश से 163 प्रतिभागी शामिल हुए। सम्मलेन में कुछ संगठनों और एजेंसियों को माहवारी के मुद्दे पर कई वर्षों से किये जा रहे काम के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया गया।

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जतन संस्थान भी उनमें से एक थी।

अपनी स्थापना के साथ ही सन् 2001 से जतन प्रजनन स्वास्थ संप्रेषण और प्रजनन अधिकारों के प्रति सजग रहते हुए कार्यरत है। माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन इसी क्रम में आगामी कदम रहा है।

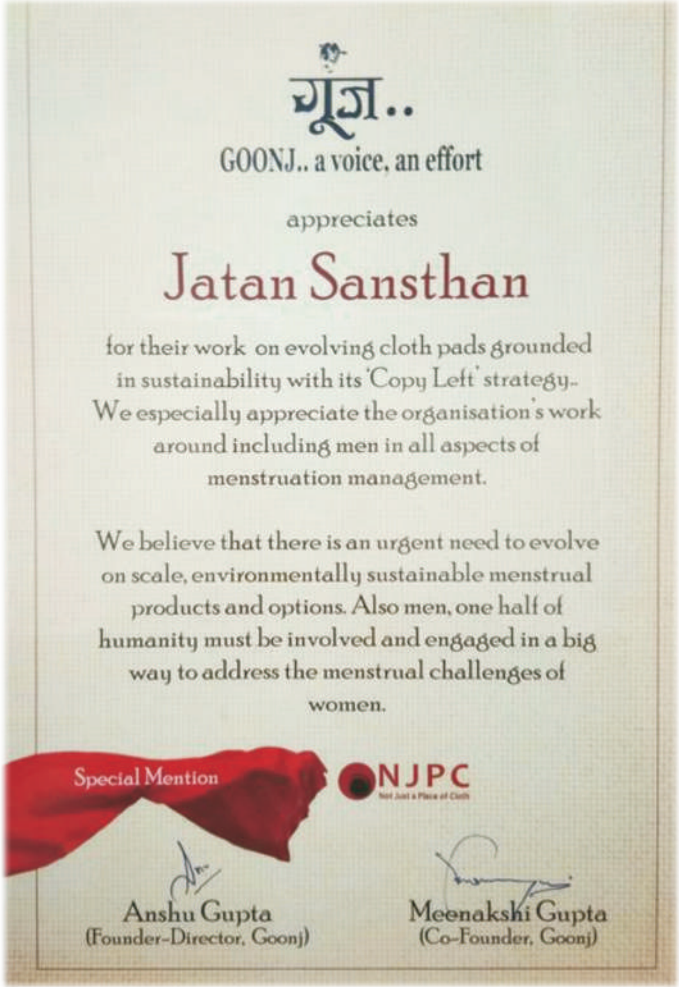

गूँज..

GOONJ.. a voice, an effort

appreciates

Jatan Sansthan

for their work on evolving cloth pads grounded in sustainability with its 'Copy Left' strategy. We especially appreciate the organisation's work around including men in all aspects of menstruation management.

We believe that there is an urgent need to evolve on scale, environmentally sustainable menstrual products and options. Also men, one half of humanity must be involved and engaged in a big way to address the menstrual challenges of women.

Special Mention

NJPC

Anshu Gupta (Founder-Director, Goonj)

Meenakshi Gupta (Co-Founder, Goonj)

गूँज की और से जतन के प्रयास की सराहना।

JATAN Executive Committee

List of Governing Board Members

(As on March 2020)

1. **Mahesh Dadheech**
   President
   Chairperson, Advocate & Legal Advisor Municipal Board of Gangapur, Bhilwara

2. **Gowerdhan Singh Chouhan**
   Treasurer
   Founder Jatan Sansthan, Social Worker
   Railmagra, Rajsamand

3. **Dr. Kailash Brijwasi**
   Founder Secretary
   Educationist and Expert in Gender & Life Skills, Udaipur

4. **Dr. Lakshmi Murthy (Member)**
   Founder Jatan Sansthan, Designer and Social Communicator, area of expertise Reproductive Health, Udaipur

5. **Ranveer Singh (Member)**
   Social Worker Railmagra, Rajsamand

6. **Ashwani Paliwal (Member)**
   Secretary, Aastha Sansthan
   Udaipur

7. **Govind Singh (Member)**
   Research Associate,
   Vidya Bhawan Education Resource Center, Udaipur

8. **Sanjay Chittora (Member)**
   Program Manager
   Skill Training, Employability and Placement (STEP) Academy,
   Aajeevika Bureau, Udaipur

9. **Mohammad Yusuf (Member)**
   Retd. Jr. Civil Engineer,
   Raj. Govt., Udaipur

10. **Mukesh Sinha (Member)**
    Social Worker
    Railmagra, Rajsamand

11. **Prakash Bhandari (Member)**
    Resource Person
    Samagra Shiksha Abhiyaan
    Udaipur

जतन साधारण सभा और कार्यकारिणी समिति की बैठकें

इस वर्ष के अंत में कोरोना महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन घोषित हो गया और ऑनलाइन बैठकों का दौर शुरू हो गया। बदलते समय के साथ चलते हुए जतन ने भी अपनी बैठकों को ऑनलाइन किया और संस्थान की 21 वीं साधारण सभा की पहली वर्चुअल बैठक 28 मार्च 2020 को आयोजित की गई। इसमें कुछ साथी ऑफलाइन तो कुछ ऑनलाइन जुड़े।

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

28 मार्च 2020

कार्यकारणी समिति की बैठकें

1. 15 जून 2019
2. 2 सितम्बर 2019
3. 5 नवम्बर 2019
4. 4 जनवरी 2020

Jatan General Body Members

- Mahesh Dadheech, President
- Gowerdhan Singh Chouhan,Treasurer
- Dr. Kailash Brijwasi, Founder Secretary
- Dr. Lakshmi Murthy (Member)
- Ranveer Singh (Member)
- Ashwani Paliwal (Member)
- Govind Singh (Member)
- Sanjay Chittora (Member)
- Mohammad Yusuf (Member)
- Mukesh Sinha (Member)
- Prakash Bhandari (Member)
- Dr. Gayatri Tiwari, (Member)
- Usha Agarwala (Member)
- Dasrath Singh Dalawat (Member)
- Rajesh Sharma (Member)

PROGRAMME EXPENDITURE FOR 2019-20

S.No.	PROGRAMME	2019-20
1	Action for Adolescent Girls Project	12,201,119
2	Learning Orbit for Village Excellence	7,723,177
3	Prajwala Project	3,279,785
4	Gargi Manch Initiative Project	3,001,536
5	Raj Pushth Project	4,832,112
6	Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS services: "KHUSHI Project"	25,682,470
7	Nand Ghar Project (Brown field)	1,833,042
8	Hindustan Zinc staff welfare scheme	606,180
9	Development and printing of Khushi manual	905,593
10	Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	1,413,815
11	Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	459,570
12	Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	836,924
13	Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	1,771,556
14	Partners for Equality- Ek Saath Campaign Project	484,380
15	Volunteer, Internship Programme	1,122,571
16	Child Development Project	27,048,203
17	Gems for Boys Programme	2,289,506
18	Empowering Marginalised Girls Through Quality Education (KGBV) Project	509,642
19	Kshamtalaya Education Programme	1,037,717
20	Smile Internship Programme: Volunteering Programme	49,980
21	MKBKSH Project	230,462
22	FAYA Project	1,821,039
23	Organizational expenses and short term Programme	1,281,039
24	Uger programme related expenses	2,693,144
	TOTAL	**103,114,562**

STAFF DETAILS AS ON 31 MARCH 2020

Gender	Paid Full-Time	Paid Part-Time	Paid Consultants	Paid Volunteers
Male	106	0	1	2
Female	72	0	1	76
Total	**178**	**0**	**2**	**78**

DISTRIBUTION OF STAFF ACCOROING TO SALARY LEVELS AS ON 31 MARCH 2020

Gross salary plus benefits paid to staff (Rs. Per month)	Male Staff	Female Staff	Total Staff
Less than 5,000	0	0	0
5,001 - 10,000	22	16	38
10,001-25,000	65	48	113
25,001 - 50,000	14	6	20
50,001 - 1,00,000	4	2	6
Greater than 100,000	1	0	1
TOTAL	**106**	**72**	**178**

Group Photo of Jatan Annual Camp December 2019 Desuri, Pali

अंकेक्षण प्रतिवेदन

(M) 94141 57232

S.D. BAYA & Co.

Chartered Accountants

S. D. Baya
M.Com., FCA

448, Moksh Marg
Shastri Circle
Udaipur (Raj.)

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2020 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2020

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2020

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167
Registration No: 007833C

Place :UDAIPUR
Date : 31/12/2020
UDIN : 20076167AAAAJB5600

S.D. Baya & Co. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

BALANCE SHEET

AS AT MARCH 31ST, 2020

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
CAPITAL FUND:		474,26,833.83	**FIXED ASSETS**	**Schedule- 1**	225,26,033.00
- Opening Balance	321,71,106.38				
- Add: Fixed assets capitalised	5,63,696.00		Security deposit	Schedule- 7	45,870.00
- Add: I&E Accounts	146,92,031.45		Loan and Advance	Schedule- 5	18,95,039.17
			Grant Receivable	Schedule- 2	382,65,367.71
Provisions	Schedule- 3	7,68,329.00	**CASH BALANCE**		
Current Liabilities	Schedule- 4	167,63,344.73	1 Cash in hand	Schedule- 6	0.00
Unspent Balance of Grant	Schedule- 2	53,49,975.71	2 Cash at bank	Schedule- 6	75,76,173.39
	TOTAL	703,08,483.27		TOTAL	703,08,483.27
					0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 31st December 2020

S.D. Baya & Co. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

5, Tirupati Vihar, Near Celebration Mall, Bhuwana, Udaipur-313001, India. Jatan

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2020

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
PROGRAMME EXPENSES:				
1 Action for Adolescent Girls Project (Hilor Project)	122,01,119.00	**Grant in aid: UNFPA, Jaipur**		
		- Add: Grant in aid during the year	107,46,427.00	
		- Add: Opening unspent balance	18,05,881.00	
		- Less: Closing unspent balance	3,51,189.00	122,01,119.00
2 Learning Orbit for Village Excellence (LOVE Project)	77,23,177.00	**Grant in aid: NSE Mumbai**		
		- Grant during the year	67,69,442.00	
		- Add: Opening unspent balance	4,91,806.00	
		- Add: Closing Overspent balance	4,61,929.00	77,23,177.00
3 Gargi Manch Project	30,01,536.00	**Grant in aid: UNICEF Jaipur**		
		- Grant during the year	19,75,250.00	
		- Add: Closing overspent balance	10,26,286.00	30,01,536.00
4 Prajwala Project	32,79,785.00	**Grant in aid: Bodh Shiksha Samiti Jaipur**		
		- Grant during the year	21,71,633.00	
		- Less: Opening overspent balance	70,326.00	
		- Add: Closing overspent balance	11,78,478.00	32,79,785.00
5 RajPushth Project	48,32,112.00	**Grant in aid: IPE Global New Delhi**		
		- Grant during the year	40,15,157.00	
		- Add: Closing overspent balance	8,16,955.00	48,32,112.00
6 Organizational expenses and short term programmes	11,48,348.66	**Organizational other receipts**		
		- Add: Other income	12,26,105.00	
		- Add: Bank interest	1,61,393.00	
		- Less: Opening overspent balance	4,81,981.31	
		- Add: Closing overspent balance	2,42,831.97	11,48,348.66
7 Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS services: "KHUSHI Project"	256,82,470.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant in aid during the year	302,95,749.00	
		- Received bank interest	1,14,280.00	
			304,10,029.00	
		- Less: Opening overspent balance	93,69,599.00	
		- Add: Closing overspent balance	37,12,676.00	
		- Add: Expenditure reversed	9,29,364.00	
		- Less: Capital assets purchased	0.00	256,82,470.00
8 Nand Ghar Project (Brown field)	18,33,042.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Add: Closing overspent balance	290,36,539.00	
		- Add: Expenditure reversed	12,51,584.00	
		- Less: Opening overspent balance	284,55,081.00	18,33,042.00
9 Hindustan Zinc staff welfare scheme	6,06,180.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	2,21,702.00	
		- Add: Opening unspent balance	3,05,216.00	
		- Add: Expenditure reversed	28,262.00	
		- Add: Closing overspent balance	51,000.00	6,06,180.00
10 Development and printing of Khushi manual	9,05,593.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant during the year	10,00,000.00	
		- Less: Opening overspent balance	94,407.00	9,05,593.00
11 Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	14,13,815.00	**Grant in aid: Child Line India, Mumbai**		
		- Grant during the year	12,73,626.00	
		- Add: Opening unspent balance	1,61,835.00	
		- Add: Bank interest	539.00	
		- Less: Closing unspent balance	22,185.00	14,13,815.00
12 Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	4,59,570.00	**Grant in aid: Child Line India, Mumbai**		
		- Add: Closing overspent balance	5,29,570.00	
		- Less: Capital assets purchased	70,000.00	4,59,570.00
13 Other organizational expenses	8,262.56	**Other Organizational Receipts:**		
		- Add: Opening unspent balance	68,124.02	
		- Bank interest	16,428.00	
		- Less: Closing unspent balance	76,289.46	8,262.56

14 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	8,36,924.00	**Grant in aid: Gebeco Reisen, Germany**		
		- Add: Grant in aid during year	7,79,507.00	
		- Add: Opening unspent balance	1,99,206.52	
		- Less: Closing unspent balance	1,40,539.52	
		- Less: Capital assets purchased	1,250.00	8,36,924.00
15 Strengthening the Leadership of Women Representative in Local Village Councils- Gram Panchayats so as to address violence against women through the governance framework	17,71,556.00	**Grant in aid: The Hunger Project, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	25,23,381.00	
		- Add: Bank interest received	16,293.00	
		- Less: Opening overspent balance	45,354.00	
		- Less: Closing unspent balance	7,22,764.00	17,71,556.00
16 Partners for Equality- Ek Saath Campaigh Project	4,84,380.00	**Grant in aid: CHSJ New Delhi**		
		- Add: Grant during the year	5,33,515.00	
		- Less: Closing unspent balance	49,135.00	4,84,380.00
17 Volunteer, Internship Programme	11,22,571.17	**Grant in aid: Davin Graves USA**		
		- Add: Grant in aid during year	11,37,570.17	
		- Less: Capital assets purchased	14,999.00	11,22,571.17
18 Child Development Project	270,48,202.56	**Grant in aid: Child Fund India, Banglore**		
		- Add: Grant in aid during year	266,81,491.33	
		- Add: Bank interest received	1,41,516.00	
		- Add: Opening unspent balance	8,21,383.26	
		- Add: Expenditure reversed	14,03,268.00	
		- Less: Capital assets purchased	41,900.00	
		- Less: Closing unspent balance	19,57,556.03	270,48,202.56
19 Gems for Boys Programme	22,89,506.00	**Grant in aid: ICRW, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	24,42,500.00	
		- Less: Capital assets purchased	1,10,296.00	
		- Less: Closing unspent balance	42,698.00	22,89,506.00
20 Empowering Marginalised Girls Through Quality Education (KGBV) Project	5,09,642.00	**Grant in aid: SC (Bal Raksha Bharat, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	4,08,000.00	
		- Add: Opeining unspent balance	1,40,977.00	
		- Less: Unspent balance refund	39,335.00	5,09,642.00
21 Kshamtalaya Education Programme	10,37,717.00	**Grant in aid: Educate for Life, UK**		
		- Add: Grant in aid during year	18,19,155.00	
		- Less: Opeining overspent balance	2,41,875.00	
		- Less: Closing unspent balance	5,39,563.00	10,37,717.00
22 Smile Internship Programme: Volunteering Programme	49,980.00	**Grant in aid: Pravah New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	49,980.00	49,980.00
23 MKBKSH Project	2,30,462.00	**Grant in aid: PFI, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	2,98,620.00	
		- Add: Bank interest received	2,268.00	
		- Less: Unspent balance refund	70,426.00	2,30,462.00
24 FAYA Project	18,21,039.00	**Grant in aid: PFI, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	10,53,840.00	
		- Add: Bank interest received	42,378.00	
		- Add: Opening unspent balance	18,16,000.00	
		- Less: Capital assets purchased	69,908.00	
		- Less: Closing unspent balance	10,21,271.00	18,21,039.00
25 Organizational expenses	1,24,427.00	Bank interest received		1,24,427.00
26 Uger programme related expenses	26,93,144.35	**Grant in aid and other eceipts**		
		- IIT Madras	10,11,117.00	
		- Training / workshop MHM	4,99,956.00	
		- Other donation	7,54,402.54	
		- Bank interest	33,884.00	22,99,359.54
27 Jatan Resource Center	42,80,578.35	Organizational receipts	192,61,080.98	
		Bank interest	1,05,313.63	193,66,394.61
Excess of income over expenditure	146,92,031.45			
	1220,87,171.10		**TOTAL**	**1220,87,171.10**
				0.00

Notes on Accounts

The Schedule referred to above form part of the Accounts

Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 31st December 2020

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31-03-2020

RECEIPT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT
OPENING BALANCE		**PROGRAM RELATED PAYMENT:**	
1 Cash in hand Schedule-6	57.33	1 Action for Adolescent Girls Project (Hilor Project)	122,01,119.00
2 Cash at bank Schedule-6	140,88,764.48	2 Learning Orbit for Village Excellence (LOVE Project)	77,23,177.00
		3 Prajwala Project	32,79,785.00
GRANT IN AID RECEIVED:		4 Gargi Manch Initiative Project	30,01,536.00
1 UNFPA, Jaipur	107,46,427.00	5 RajPushth Project	48,32,112.00
2 NSE Mumbai	67,69,442.00	6 Organizational expenses and short term programmes	11,48,348.66
3 Bodh Jaipur	21,71,633.00	7 Office land purchased at Rajsamand	16,90,000.00
4 UNICEF, Jaipur	19,75,250.00	8 Initiative to improve nutrition status and enhance the	254,88,462.00
5 IPE Global, New Delhi	40,15,157.00	enrolment of children through strengthening the ICDS	
6 Other organizational income	12,26,105.00	services: "KHUSHI Project"	
7 IIFL Foundation, Mumbai	1,08,668.00	9 Nand Ghar Project (Brown field)	18,33,042.00
8 Hindustan Zinc Limited Udaipur	312,95,749.00	10 Hindustan Zinc staff welfare scheme	6,06,180.00
9 Other donation from HZL staff	2,21,702.00	11 Development and printing of Khushi manual	9,05,593.00
10 Child Line India New Delhi	12,73,626.00	12 Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	14,13,815.00
11 Gebico Reisen, Germany	7,79,507.00	13 Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur	4,59,570.00
12 The Hunger Project, New Delhi	25,23,381.00	Railway Station)	
13 Center for Health and Social Justice, Delhi	5,33,515.00	14 Other organizational expenses	8,262.56
14 Devin Graves, Mount Saint Mary's GST	11,37,570.17	15 Capital expenditure (Fixed Assets Purchased) LC	2,64,008.00
15 Child Fund India, Bangalore	266,81,491.33	16 Running of NFE and Balwadi Centre (Devali &	8,36,924.00
16 ICRW New Delhi	24,42,500.00	Ramnagar, Udaipur) Intends to cater to the	
17 Save the Children, Bal Raksha Bharat, Delhi	4,08,000.00	development needs of children with focus on health	
18 Educate for Life, UK	18,19,155.00	17 Strengthening the Leadership of Women	17,71,556.00
19 Pravah, New Delhi	49,980.00	Representative in Local Village Councils- Gram	
20 PFI, New Delhi	13,52,460.00	Panchayats so as to address violence against women	
21 Uger programme related receipts	22,65,475.54	through the governance framework	
22 Jatan Resource Center Receipts	192,61,080.98	18 Partners for Equality and Rights- Ek Saath Campaigh	4,84,380.00
23 Bank interest	7,67,522.63	Project	
		19 Volunteer, Internship Programme	11,22,571.17
OTHER RECEIPT DURING THE YEAR:		20 Child Development Project	270,48,202.56
1 Security Deposits	45,870.00	21 Gems for Boys Programme	22,89,506.00
2 Loan and advance (FY 2018-19)	18,68,608.00	22 Empowering Marginalised Girls Through Quality	5,09,642.00
3 Current liabilities (Schedule-4)	167,63,344.73	Education (KGBV) Project	
4 Provisions (Schedule-3)	7,68,329.00	23 Kshamtalaya Education Programme	10,37,717.00
5 Other receipts	34,80,546.88	24 Smile Internship Programme: Volunteering Programme	49,980.00
		25 MKBKSH Project	2,30,462.00
		26 FAYA Project	18,21,039.00
		27 Organizational expenses	1,24,427.00
		28 Fixed assets purchased (FC)	2,38,353.00
		29 Uger programme related expenses	26,93,144.35
		30 Jatan Resource Center (Payment)	42,80,578.35
		31 Jatan Resource Center (Fixed Assets)	54,79,073.00
		OTHER PAYMENT DURING THE YEAR	
		1 Provisions (FY 2018-19)	19,34,223.58
		2 Current liabilities (FY 2018-19)	305,62,916.28
		3 Loan and advance (Schedule-5)	18,95,039.17
		CLOSING BALANCE	
		1 Cash in hand Schedule-6	0.00
		2 Cash at bank Schedule-6	75,76,173.39
TOTAL	**1568,40,918.07**	**TOTAL**	**1568,40,918.07**
			0.00

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

For: Jatan Sansthan

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76167

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Place: Udaipur (Raj.)
Date : 31st December 2020

राजस्थान पत्रिका . उदयपुर, रविवार, 07 जुलाई, 2019
patrika.com

अब समानता साथी बनाएंगे पुरुषों को संवेदनशील

रेलमगरा. समाज में महिला और पुरुष की सामाजिक भूमिकाओं के कारण आई असमानता को दूर करने और विकास में महिलाओं को सामान रूप से शामिल करने के लिए पुरुष की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। इसे वे संवेदनशीलता के साथ निभा सकते हैं, इसके लिए जतन संस्थान ने राजस्थान में साथी संस्थाओं के सहयोग से सेंटर फोर हैल्थ एण्ड सोशल जस्टिस नई दिल्ली के साथ मिलकर एक अनूठी पहल करते हुए राज्य स्तर पर पांच सौ समानता साथियों को तैयार करने का निर्णय लिया। इसकी शुरुआत शनिवार को की गई। इसके तहत युवा सन्दर्भ केन्द्र हुनरघर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। राज्य समन्वयक राजदीप सिंह ने बताया कि महिलाओं एवं किशोरियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक पुरुषों को संवेदनशील बनाना होगा तभी हम एक महिला हिंसा मुक्त समुदाय का निर्माण कर पाएंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने बताया कि संस्थान शुरू से ही विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध करवाने के लिए कार्यरत रहा है। इसके लिए संस्थान में अनेक परियोजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

भीतर खास... पेज 7

समानता साथी बनाएंगे पुरुषों को संवेदनशील

रेलमगरा। समाज में महिला और पुरुष की सामाजिक भूमिकाओं के कारण आई असमानता को दूर करने और विकास में महिलाओं को सामान रूप से शामिल करने के लिए पुरुष की सहभागिता की महत्वपूर्ण है जिसे वे संवेदनशीलता के साथ निभा सकते है। इसके लिए जतन संस्थान ने राजस्थान में साथी संस्थाओं के सहयोग से सेंटर फॉर हेल्थ एंड सोशल जस्टिस, दिल्ली के साथ मिलकर एक अनूठी पहल करते हुए राज्य स्तर पर पांच सौ समानता साथियों को तैयार करने का निर्णय लेते हुए आज इसकी शुरुआत युवा सन्दर्भ केंद्र हुनरघर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। राज्य समन्वयक राजदीप सिंह ने बताया कि हमारे समाज में महिला एवं पुरुष भेदभाव एक व्यवस्था के रूप में दिखाई देता है। गांव हो, या शहर, हर जगह महिलाओं को कमतर आंकने के लिए सामजिक रीती रिवाज, कहावतें, मान्यताएं, धारणाएं गीतों में देखने को मिलती है। जिसके कारण महिलाओं व किशोरियों से आये दिन हिंसा की शिकार होती रहती है। इस पितृसत्तात्मक सोच में कमी लाने को लेकर महिलाओं एवं किशोरियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक पुरुषो को संवेदनशील बनाना होगा तभी हम एक महिला हिंसा मुक्त समुदाय का निर्माण कर पाएंगे। इसीलिए एक साथ केम्पेन को राजस्थान में आरंभ करने की खासी जरुरत है। प्रत्येक संस्था से 2 हमराही के नेतृत्व में 25-25 समानता साथी तैयार होंगे जो कि हमारे बदलाव के साथी बनेंगें। जतन संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी ने बताया कि जतन संस्थान शुरू से ही विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्द है और इसके लिए संस्थान में अनेक परियोजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। एक साथ राष्ट्रिय अभियान की शुरुआत इसी प्रतिबद्दता की अगली कड़ी है। दिल्ली से जुड़े जेंडर सन्दर्भ व्यक्ति जगदीश लाल, बदर उज्जमा द्वारा जेंडर आधारित कार्यबोझ, हिंसा, मर्दानगी व यौनिकता व लैंगिकता पर राजसमन्द, चितौड़गढ़, उदयपुर, झुंझुनू, बूंदी, प्रतापगढ़, सिरोही व जयपुर समेत आठ जिलो के विभिन्न संस्थानों के सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र में पुरुषो को जेंडर विषय पर संवेदनशील बनाने के लिए हमराही के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

एलजीबीटी समुदाय के लोगों से अस्पतालों में हो रहा भेदभाव

अब तो अस्पताल जाने से भी डरते हैं वे!

पत्रिका ह्यूमन एंगल

एचआइवी के लिए चिकित्सक तक ठहरा देते हैं जिम्मेदार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

उदयपुर. लेकसिटी और आसपास के इलाके में हुए एक गोपनीय सर्वे में ऐसे चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। रोशनी, शलभ और भावना किसी और दुनिया के लोग नहीं हैं। वे इसी दुनिया के सामान्य नागरिक हैं। किसी मां ने ही उन्हें अपनी कोख से जन्म दिया। पाला-पोसा और बड़ा किया। कुदरती तौर उनमें आए बदलावों का जिम्मेदार वे खुद नहीं हैं। देश की सर्वोच्च अदालत भी उन्हें मौलिक अधिकारों के साथ जीने की आजादी दे चुकी है, लेकिन अफसोस कि अपनी अलग लैंगिक पहचान और भावनात्मक रुचि के चलते उन्हें समाज और सेवा प्रदाताओं के तानों और भेदभाव से गुजरना पड़ रहा है। पिछले साल धारा-377 हटाने के साथ सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अपनी पसंद का साथी चुनने और उसके साथ रहने की छूट दी। समाज अभी भी उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने को तैयार नहीं लगता है। यहां तक कि कई बार कतिपय चिकित्सक भी पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर उनका इलाज करने से इनकार कर देते हैं।

एलजीबीटी (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर) समुदाय के लोग हमेशा अपनी पहचान उजागर होने के तनाव, उन्हें समाज के लिए 'कलंक' मानने की भावना और होने वाले भेदभाव से भयभीत रहते हैं। जानकार बताते हैं कि ये तनाव अन्य लोगों की अपेक्षा इस समुदाय में ज्यादा है। इन्हें अपने चलने के तरीके, हाव-भाव, कपड़े पहनने के तरीके, अभिव्यक्ति आदि के कुदरती प्रभाव के चलते अस्पताल में होने वाले भेदभाव और गाली-गलौज का सामना करना पड़ता है। कई अस्पतालों में 'गोपनीयता' की नीति नहीं होने के कारण इनकी पहचान इनके परिवार या समाज तक पहुंच जाती है, जिसके बाद इन पर हिंसा होना आम बात है।

केस-1

रोशनी (बदला हुआ नाम) की त्वचा पर इन्फेक्शन हो गया था। अपनी अलग पहचान के चलते वह शहर के एक सरकारी अस्पताल नहीं जाना चाहती थी। उसने निजी अस्पताल जाने की राह चुनी, मगर निजी अस्पताल के रिसेप्शन से ही उसे डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने और उसे वहां से चले जाने को कहा, जबकि उसने अपॉइंटमेंट लिया था। ऐसा बर्ताव उसके साथ कई बार हुआ। रोशनी एक किन्नर है।

केस-2

शलभ (बदला हुआ नाम) के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। वह गे (समलिंगी) है। उसने पहली बार डॉक्टर के सामने अपनी पहचान बताई। एक चिकित्साकर्मी ने अन्य स्टॉफ के सामने ही ताना मार दिया कि 'उसके' जैसे लोगों के कारण ही दुनिया में एड्स फैल रहा है। शलभ को यह बात इतनी चुभी कि उस रात उसने आत्महत्या की कोशिश की।

केस-3

भावना (बदला हुआ नाम) को लड़कों की तरह रहना पसंद है। उसके परिजनों ने कई बार उसकी बुरी तरह से पिटाई कर दी और उसे औरतों की तरह रहने का दबाव बनाया। एक अस्पताल में भावना से उसे 'लड़की' बनाने के नाम पर 2 लाख ऐंठ लिए। भावना अपने परिजनों को नहीं समझा पा रही थी कि उसे शरीर जरूर औरत का मिला है, पर उसकी भावनाएं पुरुषों जैसी है।

यह है एलजीबीटी समुदाय

वे सभी व्यक्ति, जिनकी लैंगिक पहचान और अभिव्यक्ति सामाजिक बायनरी (महिला एवं पुरुष) और उसके मापदंडों से मेल नहीं खाती, वे सभी एलजीबीटी समुदाय के लोग कहे जाते हैं। इनमें एल (लेस्बियन), जी (गे), बी (बाइसेक्सुअल) और टी (ट्रांसजेंडर) शामिल हैं। इनमें भी कई तरह का श्रेणीकरण उनके स्वभावों के आधार पर किया गया है।

असमानताओं को दूर करने यह करें

- एलजीबीटी समुदाय के लोगों का इलाज करते समय वे पूर्वाग्रह से ग्रसित नहीं हों
- उनकी गोपनीयता का सम्मान करें
- पेशेंट हिस्ट्री लेते समय संवेदनशीलता रखें
- अपने स्टॉफ को प्रशिक्षण दें कि वे संवेदनशील व्यवहार करें और उनका हंसी-मजाक नहीं बनाएं
- जीरो टोलरेंस नीति अपनाएं
- उनका पूरा इलाज करें
- उनकी लैंगिक पहचान के बारे में असहज होने वाले प्रश्न नहीं पूछें
- इलाज के दौरान पिटी-पिटी बातें जैसे 'अरे, आप तो औरत जैसे दिखते हो' या 'आप इतनी सुन्दर महिला हैं, फिर लेस्बियन कैसे हैं' जैसे वाक्य नहीं बोलें
- अपने अस्पताल के माहौल को सभी के लिए सुरक्षित बनाएं

डब्ल्यूटीओ ने कहा- यह कोई बीमारी नहीं

एलजीबीटी कम्युनिटी की समस्याओं पर अध्ययन कर रहे ओमप्रकाश ने बताया कि कई डॉक्टर इसे आज भी बीमारी मानते हैं और समलैंगिकता खत्म करने के लिए अलग-अलग थैरेपी की सलाह देते हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार समलैंगिकता कोई बीमारी नहीं है। इन सबका असर यह होता है कि समलैंगिक लोगों के आत्मविश्वास में कमी आना, अवसाद में चले जाना, खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्तियां बढ़ती हैं। ये लोग अपने साथियों और पारिवारिक सदस्यों से यौनिक हिंसा के भी सबसे ज्यादा शिकार होते हैं।

आत्महत्या के सबसे ज्यादा मामले

इन्डियन जर्नल और सायकॉलॉजिकल साइन्सेज के अनुसार, भारत में ट्रांसजेंडर कम्युनिटी में से 31 फीसदी लोग आत्महत्या कर लेते हैं और इनमें से 50 प्रतिशत ने अपने 20वें जन्मदिन से पहले कम से कम एक बार आत्महत्या की कोशिश की होती है। दिल्ली स्थित सेफ एक्सेस संस्था के सर्वे के अनुसार 26 प्रतिशत एलजीबीटी समुदाय के लोगों को पहचान उजागर होने के बाद डॉक्टरों ने सेवाएं देने से मना कर दिया, जबकि भारत के संविधान के अनुसार प्रत्येक भारतीय को स्वास्थ्य सेवा लेने का मौलिक अधिकार मिला हुआ है। सेफ एक्सेस के सर्वे अनुसार 52 फीसदी लोग अस्पताल तक जाने में भी डरते हैं। इनमें अधिकांश युवा वर्ग के लोग हैं।

समाज में बहुत से ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर कोई बात ही नहीं करना चाहता। यह वर्ग अपने उपचार, शिक्षा, रोजगार जैसे मूल अधिकारों से दूर है, बल्कि कई जगह उनके साथ होने वाले अपराध को वे मौन होकर सहने को मजबूर होते हैं। **कैलाश बृजवासी,** निदेशक, जतन संस्थान

यह चौंकाने वाला तथ्य है। भेदभाव होना ही क्यों चाहिए। आम व्यक्ति की तरह उनसे बर्ताव करना चाहिए। मानव समाज में और भी जगहों पर उन्हें किसी तरह का दोहरा व्यवहार नहीं सहना पड़े, ऐसी सोच विकसित हो।
डॉ. प्रशांत अग्रवाल, त्वचा रोग विशेषज्ञ

मान सम्मान और परिवार से दूर करता है नशा : सुमन

बगर। जतन संस्थान द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन परियोजना द्वारा बच्चों केलिए बाल मैत्री पूर्ण वातावरण स्थापित करने के लिए बाल सप्ताह के चौथे दिन कस्बे के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में नशा मुक्ति हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम सुमन सोनल ने की। मुख्य अतिथि सीआई गजेंद्र सिंह थे।

चाइल्ड लाइन परियोजना अधिकारी संजय राव ने बाल सप्ताह के बारे में जानकारी देकर युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की लत से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी। नशा मुक्ति अभियान के बारे में बताते हुए शराब, ड्रग्स, गांजा, ब्राउन शुगर, तंबाकू, सिगरेट, गुटखे का सेवन ना करने व इनके सेवन से होने वाले नुकसानों की जानकारी दी। उपखंड अधिकारी सुमन सोनल ने संबोधित करते हुए नशे से हानियां से अवगत करवाते हुए बताया कि नशा करने वाला व्यक्ति अपना मान सम्मान खो देता है। वे निरंतर अपने परिवार से झगड़ता रहता है और वे नशा कर- के अपना होश खो बैठता है जिससे पारिवारिक शांति भंग होती है। नशा करने वाले व्यक्ति का जीवन कभी भी खुशहाल नहीं होता है और न ही उसके पास धन होता है। नशे की लत बहुत ही बुरी है और नशीले पदार्थ प्राप्त करने के लिए व्यक्ति चोरी, डकैती या अन्य अवैध काम धंधे में संलिप्त हो जाता है। आजकल मिलावटी

शराब बिक्री से नशेड़ी अपनी जान भी गंवा बैठता है। एसडीएम ने सभी बालकों को भविष्य में कभी नशा नहीं करने के लिए संकल्पित किया एवं स्व हस्ताक्षर कर अभियान की शुरुआत की। थानाधिकारी सिंह ने बताया कि नशे से तीन बड़ी हानियां होती है आर्थिक, शारीरिक, मानसिक।

कार्यक्रम में कार्यवाहक प्रधानाचार्य मनोहर सिंह, देवेन्द्र सिंह, हेम सिंह, चाइल्ड लाइन टीम के गंगाराम, गेहरी लाल, प्रतीक, अनीता थे।

कार्यशाला में बालिकाओं ने संवाद कर समस्या समाधान करने की मांग उठाई

भास्कर संवाददाता | गंगापुर

गंगापुर. महाड़ा पंचायत समिति में कार्यशाला में मौजूद विधायक व अन्य।

जतन संस्थान की ओर से द हंगर प्रोजेक्ट के वित्तीय सहयोग से संचालित किशोरी सशक्तिकरण परियोजना की कार्यशाला पंचायत समिति सभागार महाड़ा में आयोजित की। इसमें किशोरी एवं महिला सुरक्षा पर चर्चा की। मुख्य अतिथि विधायक कैलाश त्रिवेदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। विधायक त्रिवेदी ने कहा कि महिलाओं को उत्पीड़न के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। महिलाओं पर आए दिन अत्याचार हो रहे हैं। महिलाओं को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी विक्रम पंचोली, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शंकर लाल जाट, प्रभारी भूपेंद्र सिंह राजपूत, महाड़ा कार्यालय प्रभारी मंजू खटीक ने बालिकाओं से खुले मंच पर चर्चा की। किशोरी बालिकाओं ने संवाद किया। शराब ठेका बंद करने, राजकीय महाविद्यालय खोलने, सड़क बनाने, अध्यापकों के रिक्त पद भरने की मांग रखी। कार्यक्रम में विकास [illegible] डॉ. सुमन अजमेरा, [illegible] अजयसिंह जा[illegible] से उपनिदेशक [illegible] भारती खोईवाल [illegible]

उदयपुर ■ रविवार ■ 30 जून, 2019 3

नवनिर्मित नंदघरों का लोकार्पण

city भास्कर

हिलोर किशोरी मेला संपन्न

खेली-नाचीं, हम किसी से कम नहीं का पैगाम दे विदा हुई किशोरियां

गरासिया समुदाय के वालर नृत्य ने मन मोहा

पसंद की शख्सियतों को लिखी पाती

पुलिस के साथ ली सेल्फी

उदयपुर dainiknavajyoti.com दैनिक नवज्योति

स्वच्छता, माहवारी प्रबंधन पर खुलकर बोली किशोरियां

महाप्रज्ञ विहार में किशोरी मेला हिलोर शुरू

मेले में प्रशिक्षण स्टाल

खुल कर होंगी कार्यक्रम

राजसमंद

महिला जनप्रतिनिधियों ने पंचायतीराज समेत विषयों पर की चर्चा

रेलमगरा. बैठक में मौजूद महिला जनप्रतिनिधि।

रेलमगरा | द हंगर प्रोजेक्ट और जतन संस्थान के सहयोग से गुरुवार को रेलमगरा उपखंड की महिला पंच-सरपंच संघ की बैठक हुई। बैठक में वार्ड पंच, सरपंच के रिपोर्ट कार्ड, चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान, पंचायत चुनाव की रणनीति, पंच सरपंच संगठन की भूमिका, उम्मीदवारी, पूर्व में दिए गए घोषणा पत्र का फॉलोअप सहित विषयों पर चर्चा की। इसके साथ ही महिला जनप्रतिनिधियों की तरफ से किए गए कामों का विश्लेषण और मानव विकास के मुद्दों पर किए कामों को साझा किया। संगठन अध्यक्ष सरपंच सपना शर्मा ने बताया कि बैठक में पिछले चार वर्षों के दौरान किए गए कामों की उपलब्धि, चुनौतियां और रणनीति पर चर्चा की। बैठक में अगले चुनाव में पंचायतीराज की तरफ से संशोधित नियमों की जानकारी देते हुए संगठन के आगामी पंचायती राज चुनाव में बदलाव लाने हेतु मांग पत्र तैयार किया। इसमें स्थानीय मुद्दों को भी शामिल किया गया। इस दौरान कोटड़ी सरपंच रेखा जाट, सादड़ी सरपंच मंजू आर्य, बामनिया कलां सरपंच कैलाश देवी, गिलूंड सरपंच प्रमिला जैन सहित 36 महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सरकारी-निजी स्कूल बसों पर अंकन करने होंगे चाइल्ड लाइन नम्बर-1098

राजसमन्द. राज्य बाल अधिकारी संरक्षण आयोग के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी ने जिले के शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उनके अधीनस्थ संचालित छात्र-छात्राओं को लाने ले जाने वाली सभी निजी और राजकीय स्कूलों की बाल वाहिनी एवं ऑटो रिक्शा पर बाल अधिकारों को हनन से संबंधित शिकायतों के लिए चाइल्ड लाइन नम्बर 1098 अंकित करें।

सुर्खियाँ

जतन संस्थान

5, तिरूपति विहार, भुवाणा, उदयपुर – राजस्थान, भारत

www.jatansansthan.org